● वर्ष : 17 ● अंक : 216 ● मूल्य : 02 रुपया मात्रा ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित बुधवार 27 मई 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

क्वाड बैठक में दुर्लभ खनिज पहल की घोषणा, 20 अरब डॉलर जुटाये जाएंगे

एजेंसी। नई दिल्ली

क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में हुए अहम समझौते

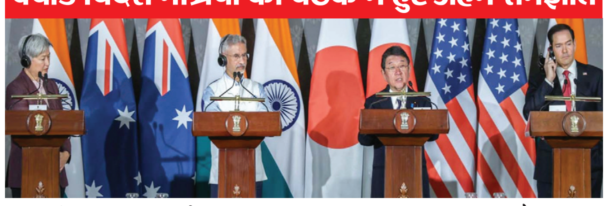

भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के विदेश मंत्रियों की बैठक में चार प्रमुख क्षेत्रों हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री एवं अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक समृद्धि एवं सुरक्षा, महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकी को मजबूत करने तथा पूरे क्षेत्र में मानवीय सहायता एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया का समर्थन करने के लिए प्रमुख नई पहलों की घोषणा की गयी। हैदराबाद हाउस में मंगलवार को भारत समेत इन चार देशों के चतुष्कोणीय रणनीतिक गठजोड़ क्वाड के विदेश मंत्रियों की 11वीं बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग, जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो शामिल हुए। क्वाड देश विशेष रूप से दुर्लभ खनिज क्षेत्र में सहयोग करेंगे। सुरक्षित और विविधीकृत महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने के लिए क्वाड दुर्लभ खनिज पहल शुरू करने की घोषणा की। इसका उद्देश्य उन्नत प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास और औद्योगिक मजबूती को समर्थन देना है। क्वाड साझेदार खनन, प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण क्षेत्रों में सरकारी तथा निजी निवेश के माध्यम से 20 अरब डॉलर तक की सहायता जुटाने का प्रयास करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार इसके तहत रणनीतिक परियोजनाओं की पहचान, निजी पूंजी को प्रोत्साहन और निर्यात ऋण एजेंसियों के सहयोग पर बल दिया गया है। देशों ने लाइसेंसिंग, नियामकीय प्रक्रियाओं और भूवैज्ञानिक संसाधन आकलन में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति जताई। साथ ही ई-कचरे और स्क्रैप सामग्री से महत्वपूर्ण खनिजों की पुनर्प्राप्ति और पुनर्चक्रण तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त प्रयास किए जाएंगे, ताकि आपूर्ति श्रृंखला अधिक मजबूत और टिकाऊ बन सके। क्वाड बैठक पर विदेश मंत्रालय की विशेष ब्रीफिंग में अतिरिक्त सचिव के. नागराज नायडू ने कहा कि विदेश मंत्रियों की बैठक में सहयोग के चार प्रमुख स्तंभों पर चर्चा हुई। इनमें समुद्री और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक समृद्धि और सुरक्षा, महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकियां तथा मानवीय सहायता और आपदा प्रतिक्रिया शामिल हैं। मंत्रियों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और सुरक्षित समुद्री मार्गों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि क्वाड ने इंडो-पैसिफिक पार्टनरशिप फॉर मैरिटाइम डोमेन अवेयरनेस के तहत सहयोग का विस्तार किया है। नायडू ने आतंकवाद विरोधी अभियान को क्वाड सहयोग का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बताया और कहा कि विदेश मंत्रियों ने सीमा पार आतंकवाद सहित आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा की। संयुक्त बयान में अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की विशेष रूप से निंदा की गई और आतंकवादी संगठनों, उनके वित्तपोषण और प्रायोजकों के खिलाफ निर्णायक अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया गया। विदेश मंत्रालय की ओर से सहयोग के चार क्षेत्रों के बारे में एक फेक्टशीट जारी की है।

होर्मुज में टोल लगाने के प्रस्ताव का क्वाड ने किया विरोध

जयशंकर ने स्पष्ट किया- क्वाड का मुख्य फोकस हिंद-प्रशांत क्षेत्र

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में मंगलवार को हुई क्वाड देशों की विदेश मंत्रियों की बैठक में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में किसी भी प्रकार का टोल लगाए जाने के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया गया। बैठक के बाद आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और भारत ने समुद्री मार्गों पर स्वतंत्र एवं सुरक्षित नौवहन बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। चार देशों के इस समूह ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बढ़ते रणनीतिक तनाव, ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी चुनौतियों पर भी चिंता जताई। क्वाड समूह में शामिल ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा कि समूह की सभी बैठकों का उद्देश्य व्यावहारिक और प्रभावी परिणाम सुनिश्चित करना रहा है। उन्होंने कहा कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र इस समय गंभीर आर्थिक दबाव का सामना कर रहा है और यदि ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद किया जाता है तो इसका सीधा असर ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ेगा। उन्होंने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के कूटनीतिक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि नौवहन की स्वतंत्रता अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का महत्वपूर्ण सिद्धांत है और किसी भी प्रकार का टोल या अवरोध स्वीकार्य नहीं हो सकता। भारत की ओर से विदेश मंत्री एस जयशंकर ने स्पष्ट किया कि क्वाड का मुख्य फोकस हिंद-प्रशांत क्षेत्र रहेगा। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती, संपर्क मार्गों में अवरोध, विनिर्माण और संसाधनों के अत्यधिक केंद्रीकरण जैसी चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे समय में अधिक साझेदारी और सहयोग की आवश्यकता पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। जयशंकर ने कहा कि क्वाड इन चुनौतियों से निपटने के लिए ठोस पहल कर रहा है।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

भय, भूख, लालच और सपनों की राजनीति

स्वतंत्र भारत के 75 वर्षों की राजनीति पर दृष्टि डालें, तो स्पष्ट दिखाई देता है, भारतीय लोकतंत्र की मूल भावना धीरे-धीरे सत्ता केंद्रित राजनीति में बदलती चली गई। वर्तमान राजनीति का उद्देश्य राष्ट्र निर्माण से अधिक सत्ता प्राप्ति और सत्ता को बनाए रखना है। स्वतंत्रता आंदोलन से निकला नेतृत्व त्याग, संघर्ष और वैचारिक प्रतिबद्धता का प्रतीक था। संविधान निर्माताओं ने भारत की विविधता को ध्यान में रखते हुए जो संविधान तैयार किया था, उसमें अंतिम शक्ति जनता के हाथ में रहे। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का संतुलन स्थापित किया गया। नागरिकों और मीडिया को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी गई। इसे चौथा स्तंभ भी संविधान का माना गया। ताकि कोई भी संस्था निरंकुश न हो सके। भारतीय संस्कृति में ब्रह्मा, विष्णु, महेश के पास जिस तरह से प्रकृति का संचालन है, संविधान निर्माताओं ने यही व्यवस्था भारतीय संविधान में की।

स्वतंत्रता के बाद के शुरुआती 25 वर्षों में संसाधनों की भारी कमी, युद्ध, अकाल और आर्थिक संकट के बावजूद, तब की सरकारों ने बड़े-बड़े विकास कार्य किये। बड़े-बड़े सार्वजनिक उपक्रम तैयार किया। बड़े-बड़े शिक्षा के संस्थान और औद्योगिक प्रतिष्ठान उसी अवधि में तैयार किए गए। योजना आयोग के माध्यम से केंद्र एवं राज्यों के बीच संघीय शासन व्यवस्था तथा संसाधनों का बंटवारा करने संवैधानिक संस्था बनाई गई। उस समय शासन व्यवस्था में नैतिकता दिखाई देती थी। सभी संवैधानिक संस्थाएं जनता के प्रति जवाबदेह थीं। 1947, 1962, 1965 और 1971 के युद्धों के दौरान अकाल, खाद्यान्न संकट, तथा केंद्र एवं राज्य सरकारों के पास टैक्स के रूप में जब सीमित आर्थिक संसाधन थे। भारत ने सभी संवैधानिक संस्थाओं को स्वतंत्रता देते हुए उन्हें मजबूत किया। विकास की आधारशिला रखी। जब कोई व्यवस्था नहीं थी, उस दौर के नेतृत्व में वैचारिक मतभेद होने के बाद भी राष्ट्रहित सर्वोपरि था। इंदिरा गांधी के नेतृत्व में 1971 का युद्ध और बांग्लादेश का निर्माण भारत की राजनीतिक इच्छाशक्ति का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण वैश्विक स्तर पर आज भी माना जाता है।

1977 के बाद भारतीय राजनीति में बड़ा परिवर्तन आया। 1971 के युद्ध के बाद वैश्विक स्तर पर भारत में बहुत सारे प्रतिबंध लगाए गए। जो लंबे समय तक लागू रहे। भारत को ऊर्जा संकट का सामना कई वर्षों तक करना पड़ा। खाद्यान्न संकट का भी सामना करना पड़ा। इंदिरा गांधी ने इसका मुकाबला किया। प्रतिबंधों के कारण भारत में खाद्यान्न संकट महंगाई और मुनाफाखोरी बढ़, जनता की नाराजी बढ़ी। 1975 में सारे देश में आंदोलन शुरू हो गए। छात्र, ट्रेड यूनियन, विपक्षी राजनीतिक दल सब सड़कों पर आ गए। 1975 में आंदोलन का नेतृत्व कर रहे जयप्रकाश नारायण ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की- सेना और पुलिस सरकार की बात नहीं माने। इस समय इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इंदिरा गांधी का चुनाव अवैध घोषित कर दिया था। जिसके कारण राजनीतिक अस्थिरता भी बढ़ गई थी।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

कॉकरोच जनता पार्टी के नाम साइबर ठगी का पहला मामला दर्ज, साइबर ठगोरे ने लिंक भेज उड़ाए 96 हजार

इन्दौर। आनलाइन ठगी की वारदातों को अंजाम देने वाले ये शातिर साइबर ठगोंरे नित नये पैंतरे अपनाते रहते हैं, जिनमें सर्वाधिक वें होते हैं जो आम जन के रोजमर्रा जीवन-शैली से संबंधित अथवा समयानुकूल या बहुचर्चित होते हैं, जिससे आम जन सहज ही उनकी ओर आकर्षित हो उनके जाल में फंसकर ठगी का शिकार हो जाता है। ऐसे ही अब इन शातिर साइबर ठगोंरों ने इंटरनेट पर ट्रेंड कर रहे कॉकरोच जनता पार्टी नाम पर ठगी की वारदात करना शुरू कर दिया है और इन्दौर में इस तरह की ठगी का पहला मामला दर्ज भी हो चुका है। मामले में शातिर साइबर ठगोरे ने कॉकरोच जनता पार्टी ज्वाइन करने और पीएम आवास योजना का लाभ दिलाने के नाम पर एक पीड़ित को फिशिंग लिंक भेजी जिसे क्लिक करते ही उसका मोबाइल हैक हो गया और उसके खाते से 96 हजार रुपए उड़ा ली गई। पीड़ित के मोबाइल पर यह फिशिंग लिंक उसके दोस्त के नंबर सात भेजी गई थी जिसे भी साइबर ठगोरे ने हैक कर लिया था। मामला शहर के रामबाग क्षेत्र का है और पीड़ित एक डॉक्टर दंपती के यहां ड्राइवर है। उसने कल जोन-1 डीसीपी कार्यालय पर शिकायत दर्ज कराते बताया कि शुक्रवार रात गांव में रहने वाले उसके एक मित्र के व्हाट्सऐप नंबर से मैसेज आया था।

शिवराज सिंह की पुस्तक 'अपनापन' का लोकार्पण, वेंकैया नायडू सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्री रहे मौजूद

नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने मंगलवार को एक समारोह में केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पुस्तक 'अपनापन' का लोकार्पण किया। प्रभात प्रकाशन द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व, कार्यशैली और उनके साथ बिताए गए 35 वर्षों के अनुभवों पर लिखी है। पुस्तक के लोकार्पण अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे। समारोह में पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने कहा कि जब कभी प्रधानमंत्री पद को लेकर चर्चा होती थी, तब वे कहा करते थे कि "मोदी" का अर्थ है "मेकिंग ऑफ डेवलप्ड इंडिया" और आज भारत जिस आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है, उसमें यह भाव प्रत्यक्ष दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की पहचान विश्व मंच पर अधिक सशक्त हुई है। वेंकैया नायडू ने विशेष रूप से इस बात का उल्लेख किया कि भारतीय सभ्यता, भारतीयता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास को वैश्विक स्तर पर नई स्वीकृति मिली है। पद्म पुरस्कारों का उल्लेख कर वेंकैया नायडू ने कहा कि पहले ऐसे सम्मानों को अक्सर कुछ चुनिंदा प्रतिष्ठित वर्गों तक सीमित समझा जाता था लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी की सोच "रिकॉग्नाइज द अनरिकॉग्नाइज्ड" की है, यानी उन साधारण लोगों को भी सम्मान दिया जा रहा है जिन्होंने चुपचाप समाज और राष्ट्र के लिए असाधारण योगदान दिया है।

भारत-अमेरिका ने महत्वपूर्ण, दुर्लभ खनिज समझौते पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका ने महत्वपूर्ण एवं दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति, खनन और प्रसंस्करण को सुरक्षित बनाने के लिए रणनीतिक समझौते पर मंगलवार को हस्ताक्षर किए। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्वाड बैठक से इतर इस पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के बाद महत्वपूर्ण एवं दुर्लभ खनिजों से देश को चीन से निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस समझौते के तहत भारत और अमेरिका ने 'जरूरी खनिजों और दुर्लभ तत्वों की खनन और प्रसंस्करण में आपूर्ति सुनिश्चित करने' पर एक ढांचा तैयार किया है। इसका मकसद खनन, प्रसंस्करण, पुनर्चक्रण और उससे जुड़े निवेश सहित महत्वपूर्ण खनिजों और दुर्लभ तत्वों की आपूर्ति श्रृंखला में भारत-अमेरिका सहयोग को और गहरा करना है। इसका लक्ष्य मजबूत और विविधीकृत आपूर्ति श्रृंखला तैयार करना है, साथ ही इन संसाधनों के वित्तपोषण और प्रभावी प्रबंधन में सहयोग को बढ़ावा देना है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह समझौता फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वाशिंगटन दौरे के दौरान तय किए गए विजन को आगे बढ़ाने में एक अहम पड़ाव है। उस समय जारी भारत-अमेरिका संयुक्त बयान में उभरती प्रौद्योगिकी और उन्नत विनिर्माण के लिए महत्वपूर्ण खनिजों की रणनीतिक अहमियत पर जोर दिया गया था और सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला को साझा प्राथमिकता बताया गया था।

सीबीएसई पेमेंट गेटवे सिस्टम में सुधार के लिए शिक्षा मंत्री ने बैंक अधिकारियों के साथ की चर्चा

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को चार प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की भुगतान प्रणाली को मजबूत बनाने पर चर्चा की। बैठक में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक और इंडियन बैंक के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। शिक्षा मंत्री ने कहा कि पुनर्मूल्यांकन, उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने और परीक्षा परिणाम के बाद की अन्य शुल्क आधारित सेवाओं के लिए छात्रों को एक मजबूत, भरोसेमंद और छात्र हितैषी भुगतान व्यवस्था उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने बैंकों को कहा कि वे सीबीएसई के साथ मिलकर ऐसी भुगतान प्रणाली विकसित करें, जिससे समय पर भुगतान सुनिश्चित हो सके, भुगतान संबंधी समस्याओं का तुरंत समाधान हो और अतिरिक्त या विफल भुगतान की स्थिति में स्वतः रिफंड की सुविधा उपलब्ध हो। प्रधान ने कहा कि भुगतान गेटवे प्रणाली को उन्नत तकनीकी सुरक्षा, रियल टाइम निगरानी और तेज शिकायत निवारण तंत्र के जरिए मजबूत किया जाए, ताकि भविष्य में छात्रों को तकनीकी दिक्कतों या भुगतान विफलता जैसी समस्याओं का सामना न करना पड़े। प्रधान ने वरिष्ठ अधिकारियों से आग्रह किया कि वे इस पहल को सर्वोच्च प्राथमिकता दें, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि भविष्य में छात्रों को किसी भी तरह की तकनीकी दिक्कत या पेमेंट फेल होने की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने बैंकों से अपील की कि वे सुचारू, सुरक्षित और कुशल डिजिटल लेन-देन सुनिश्चित करें। बैठक में शामिल चारों बैंकों ने सीबीएसई को पूर्ण सहयोग देने और जल्द से जल्द तकनीकी उन्नयन तथा बेहतर प्रोटोकॉल लागू करने का आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 24 मई को धर्मेंद्र प्रधान ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ भी सीबीएसई के पोस्ट रिजल्ट और पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान छात्रों को आई भुगतान और तकनीकी समस्याओं पर चर्चा की थी।

बीजद छोड़ने वाले देबाशीष सामंतराय भाजपा में शामिल

नई दिल्ली। बीजू जनता दल (बीजद) और राज्यसभा की सदस्यता से एक दिन पहले इस्तीफा देने वाले देबाशीष सामंतराय ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया। उन्होंने भाजपा मुख्यालय में राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर देबाशीष ने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यशैली और नेतृत्व से काफी प्रभावित हैं। अब भाजपा से जुड़ने के बाद राज्य के लिए बेहतर तरीके से काम कर सकेंगे। इस मौके पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, सांसद अनिल बलूनी भी मौजूद रहे। समांतराय ने सोमवार को बीजद और राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद आरोप लगाया था कि पार्टी में उन्हें लगातार नजरअंदाज किया जा रहा था। देबाशीष बीजद के टिकट पर तीन बार विधानसभा के लिए चुने गए। एक बार तिर्तोल और दो बार कटक बाराबती सीट से विधायक रहे। बीजद ने वर्ष 2024 में उनको राज्यसभा सदस्य बनाया। देबाशीष नवीन पटनायक के बहुत करीबी माने जाते थे। उनके पार्टी छोड़ने के बाद राज्यसभा में बीजद सदस्यों की संख्या पांच रह गयी है।

कच्चा तेल सस्ता, फिर भी ईंधन महंगा क्यों? खड़गे ने साधा केंद्र सरकार पर निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद देश में पेट्रोल, डीजल और अन्य ईंधनों की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र पर तीखा हमला बोल दिया है। यह हमला तब किया हैं, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल को 12 साल पूरे होने पर भाजपा इस बात को उपलब्धि के तौर पर पेश कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने पोस्ट कर तंज कसा कि हाथ कंगन को आरसी क्या, पढ़े-लिखे को फारसी क्या! उन्होंने प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) के आंकड़ों का हवाला देकर बताया कि 26 मई 2014 को, जब नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री का पद संभाला था, तब भारतीय बास्केट में कच्चे तेल की कीमत 108.05 डॉलर प्रति बैरल थी और डॉलर-रुपया विनिमय दर 58.59 रुपये थी। उस समय पेट्रोल 71.51 रुपये प्रति लीटर और डीजल 56.71 रुपये प्रति लीटर बिक रहा था। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि वर्तमान में कच्चे तेल की कीमत 99 डॉलर प्रति बैरल से भी कम है, लेकिन पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़कर क्रमशः102.12 रुपये और 95.20 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गई हैं।

जनसांख्यिकीय बदलाव पर केंद्र सरकार ने बनाई उच्चस्तरीय समिति : अमित शाह

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने असामान्य जनसंख्यिकी बदलाव और अवैध घुसपैठ के अध्ययन के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित की है। सेवानिवृत्त न्यायाधीश प्रकाश प्रभाकर नावलेकर की अध्यक्षता वाली समिति राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक प्रभावों का आकलन करेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इसकी घोषणा करते हुए कहा कि घुसपैठ और अन्य कारणों से होने वाला असामान्य जनसांख्यिकीय बदलाव देश के वर्तमान और भविष्य के लिए बड़ी चुनौती है। इससे निपटने के लिए केंद्र सरकार ने 'हाई-लेवल कमिटी ऑन डेमोग्राफिक चेंज' का गठन कर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2025 को इस उच्चस्तरीय समिति के गठन की घोषणा की थी। सेवानिवृत्त न्यायाधीश प्रकाश प्रभाकर नावलेकर की अध्यक्षता में गठित इस समिति में जनगणना आयुक्त के अलावा दुर्गा शंकर मिश्रा (सेवानिवृत्त आईएएस), बालाजी श्रीवास्तव (सेवानिवृत्त आईपीएस) और डॉ. शमिका रवि सदस्य होंगी। गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव (फॉरेनर्स-1) समिति के सदस्य सचिव के रूप में कार्य करेंगे। गृह मंत्री ने कहा कि जनसांख्यिकीय बदलाव राष्ट्रीय संप्रभुता, राष्ट्रीय सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, सामाजिक संरचना और जनजातीय समाज के संरक्षण से जुड़ी गंभीर समस्या है। उन्होंने कहा कि समिति अवैध प्रवास और अन्य असामान्य कारणों से देशभर में हो रहे जनसंख्या परिवर्तनों का व्यापक मूल्यांकन करेगी।उन्होंने बताया कि समिति धार्मिक और सामाजिक समुदायों के स्तर पर असामान्य जनसंख्या बदलाव के पैटर्न का विश्लेषण कर इसके सुनियोजित और समयबद्ध समाधान सुझाएगी।

भारत के दुश्मनों की चीन में जमकर हो रही खातिरदारी

एजेंसी। बीजिंग

भारत के लिए रणनीतिक चुनौती

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग इन दिनों बीजिंग में पाकिस्तानी नेताओं की विशेष खातिरदारी में जुटे हैं। हाल ही में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर बीजिंग पहुंचे। हालांकि, इस दौरे का आधिकारिक उद्देश्य पश्चिम एशिया (ईरान-अमेरिका तनाव) में शांति स्थापित करने के रास्ते तलाशना बताया गया है, लेकिन धरातल पर दोनों देश अपना पुराना भाईचारा और कूटनीतिक गठजोड़ दिखाने में व्यस्त हैं। ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में हुई बैठक के दौरान राष्ट्रपति जिनपिंग ने शहबाज शरीफ को अपना पुराना मित्र और पाकिस्तान को एक अटूट दोस्त बताया। जिनपिंग ने अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता करने की कोशिशों के लिए पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर की भी खुलकर तारीफ की। दूसरी तरफ, शहबाज शरीफ ने भी पश्चिम एशिया की स्थिति पर चीनी प्रस्तावों की सराहना की और चीनी प्रधानमंत्री ली क्विंग से मुलाकात कर शांति बहाली के प्रयासों में चीन का सहयोग मांगा। दरअसल, पाकिस्तान इस क्षेत्र में मध्यस्थ बनने की कोशिश कर रहा है, लेकिन कोई बड़ी कामयाबी न मिलने के बाद उसने चीन का रुख किया है। चीन और पाकिस्तान का यह खुला प्रदर्शन भारत की रणनीतिक और सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाने वाला है। हाल ही में चीन ने पहली बार यह स्वीकार किया था कि वह एक सैन्य अभियान के दौरान भारत के खिलाफ पाकिस्तान की मदद कर रहा था। ऐसे समय में जब ईरान-अमेरिका तनाव के कारण वैश्विक संतुलन डगमगा रहा है, चीन और पाकिस्तान की यह जुगलबंदी भारत के लिए दोहरे मोर्चे की चुनौती को और गंभीर बना सकती है। चीन, पाकिस्तान के जरिए इस पूरे क्षेत्र में अपनी कूटनीतिक और सैन्य पकड़ को मजबूत करना चाहता है। इस बैठक के दौरान शहबाज शरीफ ने विवादित चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के अगले चरण के काम में तेजी लाने की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत शुरू से ही सीपीईसी का कड़ा विरोध करता रहा है, क्योंकि इस परियोजना का एक बड़ा हिस्सा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरता है। भारत ने हमेशा स्पष्ट रुख अपनाया है कि पीओके भारत का अभिन्न हिस्सा है और वहां किसी भी देश द्वारा किया जाने वाला कोई भी निर्माण कार्य पूरी तरह अवैध है।

बस पलटने से दरोगा और कैदी समेत 6 की मौत, 15 से अधिक घायल

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। दिल्ली से बिहार जा रही यात्रियों से भरी एक निजी बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। इस भीषण हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना औरास थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक्सप्रेसवे के किलोमीटर संख्या 262 पर घटित हुई। पुलिस प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, इस हादसे में जान गंवाने वालों में बिहार पुलिस के एक दारोगा और एक कैदी भी शामिल हैं। मृतक दारोगा की पहचान रामचंद्र के रूप में हुई है, जो बिहार के सिवान जिले के रहने वाले थे। वह कैदी छत्रपाल को लेकर किसी कानूनी कार्रवाई के सिलसिले में दिल्ली गए थे और वहां से वापस लौट रहे थे। पुलिस शुरुआती जांच के आधार पर आशंका जता रही है कि चालक को नींद की झपकी आने या तेज रफ्तार के कारण नियंत्रण खो देने से यह हादसा हुआ। फिलहाल दुर्घटना के सटीक कारणों की जांच की जा रही है। वहीं बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त बस में करीब 30 से अधिक यात्री सवार थे। तड़के सुबह हुए इस हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर चीख-पुकार मच गई।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

खास खबर

तमिलनाडु की थिरुवरुर बाइपास परियोजना को मंजूरी, 1427 करोड़ रुपये होंगे खर्च

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि तमिलनाडु में राष्ट्रीय राजमार्ग-83 के नागपट्टिनम-तंजावुर खंड पर 14.9 किलोमीटर लंबे चार लेन थिरुवरुर बाइपास निर्माण परियोजना को मंजूरी दे दी गई है। इस परियोजना पर 1,427.61 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। गडकरी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि परियोजना के तहत एनएच-129ए और एनएच-134ए पर दो अतिरिक्त रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का भी निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह रणनीतिक परियोजना तिरुचिरापल्ली और कोयंबटूर जैसे प्रमुख औद्योगिक केंद्रों को कराईकल और नागपट्टिनम जैसे बंदरगाह शहरों से बेहतर तरीके से जोड़ेगी, जिससे क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।मंत्री के अनुसार, बाइपास परियोजना आदियक्कमंगलम-थंडालाई से शुरू होकर अथिपुलियूर, अंडिपालयम, किदारमकोंडन, पल्लीवरमंगलम, पेरम्पुलूर, इलावंगारकुडी और अनाइवदापथी कॉलोनी सहित कई प्रमुख क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। उन्होंने कहा कि परियोजना पूरी होने के बाद तिरुवरुर शहर में यातायात का दबाव काफी कम होगा, यात्रा समय में लगभग 15 मिनट की कमी आएगी और घनी आबादी तथा व्यावसायिक क्षेत्रों से ट्रैफिक हटने के कारण सड़क सुरक्षा भी बेहतर होगी। गडकरी ने बताया कि इस नए मार्ग से स्टेट हाईवे-23 और स्टेट हाईवे-65 के साथ-साथ प्रसिद्ध त्यागराज स्वामी मंदिर तक संपर्क बेहतर होगा, जिससे क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास और आवागमन में सुविधा को बढ़ावा मिलेगा।

सरकार ने पीएम-वानी में किए सुधार, लैपटॉप के लिए क्यूआर लॉगिन,मानकीकृत हॉटस्पॉट होंगे लागू

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री वाई-फाई एक्सेस नेटवर्क इंटरफेस (पीएम-वानी) ढांचे में बदलाव करते हुए लैपटॉप और अन्य उपकरणों के लिए क्यूआर आधारित लॉगिन, 15, 30 और 60 मिनट की लचीली अल्पकालिक योजनाएं तथा पीएम-वानी हॉटस्पॉट नामों का मानकीकरण शामिल किया है।संचार मंत्रालय ने 22 मई को जारी परिपत्रों के माध्यम से इन सुधारों को लागू किया है। सभी हितधारकों को आठ सप्ताह के भीतर संशोधित दिशा-निर्देश लागू करने के लिए कहा गया है ताकि जुलाई तक नए नागरिक-हितैषी फीचर पूरे पारिस्थितिकी तंत्र में सक्रिय हो जाएं।मंत्रालय ने बताया कि इसका उद्देश्य पहुंच, अंतःक्रियाशीलता, उपयोग में सरलता और नागरिक अपनाने को बढ़ाना है। संचार और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने हाल ही में विभागीय अधिकारियों और हितधारकों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठकें कीं ताकि कार्यान्वयन तेज हो और उपयोगकर्ता अनुभव बेहतर हो।डॉ. पेम्मासानी ने कहा कि पीएम-वानी सार्वभौमिक सार्वजनिक वाई-फाई पहुंच का हमारा मंच है और हम इसे और आसान बना रहे हैं। अब क्यूआर आधारित लॉगिन से लैपटॉप को केवल मोबाइल पर कोड स्कैन करके जोड़ा जा सकता है। हॉटस्पॉट संचालकों को 15, 30 और 60 मिनट की अल्पकालिक एक्सेस देने की सलाह दी गई है ताकि उन उपयोगकर्ताओं को सुविधा मिले जिन्हें थोड़े समय के लिए इंटरनेट चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में सार्वजनिक वाई-फाई एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक उपयोगिता के रूप में उभर रहा है जो छात्रों, यात्रियों, दैनिक आवागमन करने वालों, पेशेवरों और छोटे व्यवसायों को सहयोग प्रदान करता है।

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने किया बारापुला फ्लाईओवर फेज- 3 का निरीक्षण

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने आज बारापुला फ्लाईओवर फेज 3 एलिवेटेड कॉरिडोर का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के बाद यहां मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि 30 जून तक काम पूरा हो जाएगा। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि पहली बार देश में किसी फ्लाईओवर पर अलग से साइकिल लेन बनाई गई है। उन्होंने कहा कि 'जब दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार सत्ता में आई, 20 फरवरी 2025 को शपथ लेने के बाद तुरंत इस रुके हुए फ्लाईओवर का काम शुरू कराया गया। उन्होंने कहा कि बारापुला फ्लाईओवर 2017 में पूरा होना था, लेकिन अब इसमें लगभग नौ साल की देरी हो चुकी है। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि पिछली किसी भी सरकार ने बारापुला फ्लाईओवर को पूरा करने में गंभीरता नहीं दिखाई। यहां तक कि मंजूरी (एनओसी) प्राप्त करने में भी ठीक से सहयोग नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने फ्लाईओवर का काम पूरा करने के लिए पूरी सहयोग किया। इसके शुरू होने से पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार से दक्षिणी दिल्ली के एम्स तक सीधी और सिग्नल-मुक्त कनेक्टिविटी प्रदान हो जाएगी। इसके शुरू होते ही पूर्वी और दक्षिणी दिल्ली के बीच रोजाना यात्रा करने वाले लाखों लोगों को राहत मिलेगी। इससे सराय काले खां, रिंग रोड, डीएनडी एक्सप्रेसवे और एनएच-24 के आसपास ट्रैफिक जाम में भी कमी आएगी। उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार ने 17 मार्च को सराय काले खान को मयूर विहार से जोड़ने वाले बारापुला फ्लाईओवर फेज 3 एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण के लिए 1,635.03 करोड़ रुपये की संशोधित लागत को मंजूरी दी गई थी। यह परियोजना मौजूदा बारपुला एलिवेटेड कॉरिडोर का विस्तार है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने जिमखाना क्लब मामले में नहीं लगाई अंतरिम रोक, केंद्र को नोटिस

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने जिमखाना क्लब को केंद्र सरकार की ओर से परिसर खाली करने के नोटिस के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। हालांकि, कोर्ट ने केंद्र सरकार के नोटिस पर कोई भी अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया। जस्टिस अवनीश झींगन की बेंच ने केंद्र सरकार की इस सूचना पर गौर किया कि खाली करने की कोई भी कार्रवाई नोटिस जारी करने के बाद ही की जाएगी।मंगलवार को सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि जिमखाना क्लब को खाली करने की किसी भी कार्रवाई के पहले कानून के मुताबिक नोटिस जारी किया जाएगा। ये कहना सही नहीं है कि जिमखाना क्लब का प्रबंधन सरकार अपने हाथों में ले रही है। उसके बाद कोर्ट ने कहा कि ऐसे में केंद्र के नोटिस पर रोक लगाने का कोई मतलब नहीं है।आज ही दिल्ली जिमखाना क्लब का आंतरिक विवाद भी उच्च न्यायालय में उठाया गया। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल क्लब की चुनी हुई कमेटी की ओर से कोर्ट में पेश हुए। जिमखाना क्लब में प्रबंधन और सदस्यों के बीच लंबे समय से खींचतान चल रही है। दिल्ली जिमखाना क्लब ने केंद्र सरकार की ओर से परिसर खाली करने के नोटिस के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। याचिका में कहा गया है कि केंद्र सरकार ने जिमखाना क्लब को नोटिस जारी कर उसके 27.3 एकड़ में फैले परिसर को 5 जून तक खाली करने का आदेश दिया है। याचिका दिल्ली जिमखाना क्लब के विजय खुराना ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि 22 मई को भूमि और विकास कार्यालय ने जिमखाना क्लब का परिसर खाली करने का आदेश दिया। केंद्र सरकार ने कहा है कि जिमखाना क्लब प्रधानमंत्री आवास और दूसरे महत्वपूर्ण सुरक्षा ठिकानों के पास है।

डॉ. मनसुख मांडविया ने नई दिल्ली में लॉन्च की योगासन की पहली वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक खेल पहल

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। विश्व योगासन चैम्पियनशिप के पहले संस्करण का मंगलवार को नई दिल्ली में आधिकारिक अनावरण किया गया। यह दुनिया की पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक योगासन चैम्पियनशिप होगी। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने महासंघ के पदाधिकारियों और विभिन्न खेल संगठनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में इस वैश्विक खेल पहल का शुभारंभ किया। विश्व योगासन चैम्पियनशिप 2026 का आयोजन 4 से 8 जून तक अहमदाबाद के एका एरिना में किया जाएगा। प्रतियोगिता में 60 से अधिक देशों के खिलाड़ी और प्रतिनिधिमंडल हिस्सा लेंगे। युगांडा, जाम्बिया, श्रीलंका, नेपाल, केन्या, जापान, ओमान, मॉरीशस और नीदरलैंड्स सहित दुनिया के कई देशों की भागीदारी इस आयोजन को ऐतिहासिक वैश्विक पहचान प्रदान कर रही है। इस चैम्पियनशिप को योगासन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रतिस्पर्धात्मक खेल के रूप में स्थापित करने और भविष्य में ओलंपिक मान्यता दिलाने की दिशा में भारत की बड़ी पहल माना जा रहा है।

लोगो, ट्रॉफी और मैस्कॉट 'वीर' का भी अनावरण: कार्यक्रम के दौरान चैम्पियनशिप का आधिकारिक लोगो, ट्रॉफी, जर्सी और 'वीर' नामक शेर मैस्कॉट भी लॉन्च किया गया। आयोजन की थीम भारत की सांस्कृतिक विरासत, युवा शक्ति, वैश्विक एकता और आधुनिक खेल उत्कृष्टता को दर्शाती है। विश्व योगासन चैम्पियनशिप को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, आयुष मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), गुजरात खेल प्राधिकरण, गुजरात पर्यटन तथा गुजरात योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन का सहयोग प्राप्त है। केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने इस अवसर पर कहा कि अब भारत योगासन को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक खेल के रूप में स्थापित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। विश्व योगासन चैम्पियनशिप हमारे युवाओं, हमारी संस्कृति और वैश्विक खेलों में भारत की बढ़ती भूमिका का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन योगासन आधारित खेल अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगा और दुनिया भर के खिलाड़ियों को भारत से जोड़ने का माध्यम बनेगा।विश्व योगासन एवं योगासन भारत के महासचिव डॉ. जयदीप आर्य ने कहा कि पांचों महाद्वीपों से मिल रही भागीदारी इस बात का संकेत है कि योगासन तेजी से वैश्विक खेल के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल एक चैम्पियनशिप आयोजित करना नहीं, बल्कि योगासन को आधुनिक खेल मानकों के अनुरूप विश्वस्तरीय खेल अनुशासन के रूप में स्थापित करना है। योगासन भारत के अध्यक्ष उदित शेठ ने कहा कि योगासन भारत का दुनिया को एक बड़ा खेल योगदान बन सकता है। यह केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि भारत से शुरू हुआ वैश्विक खेल अभियान है, जिसमें आधुनिक स्कोरिंग, प्रशिक्षण और ब्रॉडकास्टिंग सिस्टम को शामिल किया गया है। एशियन योगासन के अध्यक्ष डॉ. संजय मालपानी ने कहा कि एशिया सहित दुनिया के कई हिस्सों में योगासन युवा खिलाड़ियों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। विश्व योगासन की सचिव एकता बौडरलीक ने कहा कि योगासन बच्चों और युवाओं में संतुलन, एकाग्रता, धैर्य और अनुशासन जैसे गुण विकसित करने वाला प्रभावशाली खेल बन सकता है। चैम्पियनशिप में पारंपरिक योगासन, आर्टिस्टिक योगासन, रिदमिक पेयर्स और टीम इवेंट्स जैसी स्पर्धाएं आयोजित होंगी। खिलाड़ी जूनियर, यूथ और एलीट वर्गों में अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत प्रतिस्पर्धा करेंगे। विशेषज्ञों के अनुसार यह आयोजन योगासन को भविष्य में बड़े मल्टी-स्पोर्ट इवेंट्स और ओलंपिक तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार करेगा। विश्व योगासन चैम्पियनशिप 2026 को केवल खेल आयोजन नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन योग परंपरा और आधुनिक खेल उत्कृष्टता के संगम के रूप में देखा जा रहा है। यह आयोजन भारत को वैश्विक वेलनेस और खेल नेतृत्व के केंद्र के रूप में और मजबूत करेगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की गडकरी ने की समीक्षा, गुणवत्ता और मानसून तैयारी के निर्देश

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दिल्ली और हरियाणा में 3,332 किलोमीटर लंबी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की गुणवत्ता और रखरखाव कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन, गुणवत्ता निगरानी और मानसून से पहले आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार को यहां आयोजित समीक्षा बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, हर्ष मल्होत्रा, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और परियोजना से जुड़े ठेकेदार मौजूद रहे। समीक्षा मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर की गई। बैठक में गडकरी ने जमीनी स्तर पर कार्यों में तेजी लाने, गुणवत्ता निगरानी को मजबूत करने और आधुनिक निर्माण तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया। इससे सड़कों की आयु बढ़ेगी, यात्रा गुणवत्ता बेहतर होगी और प्रमुख मार्गों पर निर्बाध संपर्क सुनिश्चित किया जा सकेगा।केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों को मानसून से पहले अग्रिम तैयारी करने के निर्देश भी दिए। इसमें जल निकासी व्यवस्था को प्रभावी बनाना, ढलानों की सुरक्षा के उपाय करना और किसी भी बाधा की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र तैयार रखना शामिल है, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और यातायात प्रभावित न हो।

कैप्टन प्रवीण डावर ने संभाला कांग्रेस विचार विभाग के राष्ट्रीय चेयरमैन का पद, संगठन को मजबूत बनाने पर दिया जोर

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली।
आज Indian National Congress के राष्ट्रीय मुख्यालय 24 अकबर रोड, नई दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नव नियुक्त चेयरमैन Captain Praveen Davar ने औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्रीय कार्यालय के पदाधिकारियों एवं विचार विभाग के सदस्यों से मुलाकात कर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा विचार विभाग को देशभर में प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम के दौरान संगठन की नीतियों, जनसरोकारों एवं कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक रणनीति पर भी चर्चा हुई। नव नियुक्त चेयरमैन कैप्टन प्रवीण डावर ने कहा कि पार्टी की विचारधारा को मजबूती प्रदान करने और जमीनी स्तर पर संगठन को सक्रिय करने के लिए सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को मिलकर कार्य करना होगा। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री Jaya Shukla ने कैप्टन प्रवीण डावर को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में विचार विभाग और अधिक सशक्त होकर देशभर में प्रभावी भूमिका निभाएगा।

कांग्रेस ने ग्रेट निकोबार परियोजना पर उठाए सवाल, कहा- भाजपा जंगलों पर बुल्डोजर चलाकर जमीन और खनिज संपदा पूंजीपतियों को सौंपना चाहती है

- » डॉ. विक्रांत भूरिया ने मोदी सरकार को बताया आदिवासी विरोधी, कहा- सिजिमाली हो या हसदेव, हर जगह आदिवासियों से जंगल और जमीन छीनी जा रही
- » यूनिफॉर्म सिविल कोड और डी-लिस्टिंग से आदिवासियों की पहचान और अधिकार खत्म हो जाएंगे- भूरिया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः कांग्रेस ने ग्रेट निकोबार ट्रांस-शिपमेंट बंदरगाह परियोजना पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि इसके लिए भाजपा सरकार एक करोड़ से अधिक पेड़ काटने जा रही है, जिससे पर्यावरण और वहां रहने वाले आदिवासियों पर बहुत प्रतिकूल असर पड़ेगा। कांग्रेस एसटी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया ने पार्टी कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए कहा कि अंडमान निकोबार हो, सिजिमाली हो या हसदेव, मोदी सरकार द्वारा हर जगह आदिवासियों से उनका जंगल और जमीन छीनी जा रही है। सरकार आदिवासियों की जमीन और खनिज संपदा पूंजीपतियों को सौंपना चाहती है। पार्टी नेता डॉ. विक्रांत भूरिया ने मोदी सरकार को आदिवासी विरोधी करार देते हुए कहा कि वर्तमान में ग्रेट निकोबार की आबादी केवल 8,000 है, लेकिन सरकार वहां बाहर से पांच लाख लोगों को लाकर बसाना चाहती है। उन्होंने बताया कि वहां भारी संख्या में पेड़ काटने के बाद टाउनशिप बनाने और कैसीनो खोलने की योजना है। उन्होंने कहा कि यह पूरा द्वीप अडानी खरीद लेगा और तब भाजपा सरकार का लक्ष्य पूरा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के कारण वहां रहने वाली शोम्पेन जनजाति के अस्तित्व पर संकट आ गया है, जिनकी पूरी दुनिया में आबादी केवल 200 बची है। उन्होंने कहा कि ग्रेट निकोबार को यूनेस्को ने बायोस्फीयर रिजर्व घोषित कर रखा है, लेकिन सरकार को इसकी भी परवाह नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि यह क्षेत्र भूकंप के लिहाज से सेस्मिक ज़ोन पांच से बढ़कर ज़ोन छह (अत्यधिक संवेदनशील) में आ चुका है। ऐसे में पांच लाख लोगों को वहां बसाना उन्हें मौत के मुंह में धकेलने जैसा है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि अंडमान निकोबार द्वीप देश के क्लाइमेट का शील्ड है। यानी जब भी मानसून आता है, उसका गेटवे अंडमान निकोबार होता है। अगर वहां करोड़ों की संख्या में पेड़ काट दिए जाएंगे तो मुख्य भूभाग में सूखा पड़ जाएगा। उन्होंने यूनिफॉर्म सिविल कोड और डीलिस्टिंग को आदिवासियों की पहचान और अधिकारों पर बड़ा हमला बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा आदिवासियों को बांटना चाहती है, जिससे उनकी संख्या कम हो जाए और फिर उनका आरक्षण घटा दिया जाए। इसके बाद आदिवासी विधानसभा और लोकसभा सीटों को कम कर दिया जाएगा। जैसे ही पांचवीं और छठी अनुसूची के तहत आदिवासियों के लिए आरक्षित क्षेत्र घट जाएंगे तो जंगलों को सुरक्षित रखने वाले नियम भी खत्म कर दिए जाएंगे और फिर पूंजीपति घराने आदिवासियों की जमीन के नीचे छिपी खनिज संपदा को आसानी से लूट सकेंगे। उन्होंने दिल्ली में चल रही हाउसिंग लिस्टिंग का जिक्र करते हुए बताया कि सरकारी कर्मचारियों को निर्देश दिए जा रहे हैं कि वे आदिवासियों के नाम एसटी कॉलम में दर्ज न करके अन्य वाले विकल्प में भरे जाएं। भूरिया ने भाजपा सरकार द्वारा आदिवासी चेहरों को ऊंचे पदों पर बैठाने को महज दिखावा करार दिया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में हसदेव के जंगल मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में काटे गए, लेकिन वे मौन रहे। ओडिशा के सिजिमाली में आदिवासियों पर अत्याचार हो रहे हैं और पेड़ काटे जा रहे हैं, लेकिन वहां के मुख्यमंत्री इस पर चुप्पी साधे हुए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा आदिवासी कल्याण के लिए भारी-भरकम बजट दिए जाने के दावों पर पलटवार करते हुए भूरिया ने पूछा कि अगर इतना पैसा आ रहा है, तो आदिवासियों में कुपोषण और गरीबी सबसे ज्यादा क्यों है? पेसा कानून और वन अधिकार अधिनियम का पालन क्यों नहीं हो रहा; ट्राइबल सब-प्लान का पैसा आदिवासियों के लिए उपयोग क्यों नहीं हो रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि आदिवासियों को नक्सली बताकर मारा जा रहा है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश के मंडला में हुए फर्जी एनकाउंटर का मुद्दा उन्होंने विधानसभा में उठाया था, जिसका जवाब सरकार नहीं दे पाई। भूरिया ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के विचारों में अंतर स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि आदिवासी का अर्थ है कि वह आदिकाल से इस धरती पर रह रहे हैं और जल, जंगल, जमीन के असली मालिक हैं; जबकि भाजपा और आरएसएस आदिवासियों को जानबूझकर वनवासी कहते हैं, जिसका सीधा अर्थ है केवल वनों तक सीमित लोग। उन्होंने कहा कि भाजपा का एजेंडा जंगल खत्म करने, आदिवासियों की पहचान मिटाने और उन्हें फैक्ट्रियों में मजदूर बनाने का है।

भारत-जापान संगोष्ठी ने कार्यबल सहयोग को नई गति प्रदान की

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारत-जापान के बीच कार्यबल गतिशीलता सहयोग पर चर्चा के लिए 25 मई को टोक्यो में आयोजित संगोष्ठी ने कार्यबल सहयोग को नई गति प्रदान की।श्रम और रोजगार मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि यह संगोष्ठी जापान स्थित भारतीय दूतावास और जापान की आसियान वन कंपनी लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से टोक्यो में आयोजित की गई थी। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की सचिव वंदना गुरनानी ने इस संगोष्ठी को संबोधित किया।मंत्रालय ने कहा कि भारत-जापान के बीच कुशल कार्यबल गतिशीलता और मानव संसाधन विकास में दीर्घकालिक सहयोग पर चर्चा के लिए आयोजित संगोष्ठी में जापानी नीति निर्माताओं, उद्योग के जगत प्रमुखों, शैक्षणिक संस्थानों और कार्यबल गतिशीलता से जुड़े हुए हितधारकों को एक मंच पर लाया गया। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की सचिव ने अपने संबोधन में वैश्विक कार्यबल के विश्वसनीय भागीदार के रूप में भारत की बढ़ती भूमिका की जानकारी दी। उन्होंने पारदर्शी, नैतिक और व्यापक अंतरराष्ट्रीय श्रम गतिशीलता मार्ग तैयार करने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। कार्यक्रम का समापन आसियान ग्रुप कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी तोशियाकी निशिकावा के संबोधन से हुआ, जिन्होंने भारत-जापान के बीच दीर्घकालिक जन-सहयोग के महत्व पर बल दिया। उन्होंने भविष्य में कार्यबल सहयोग के प्रति आशा व्यक्त करते हुए अगले 10 वर्षों में 50,000 लोगों को शामिल करने के साथ जापान-भारत मानव विनिमय कार्यक्रम को साकार करने के प्रति वचनबद्धता जताई।

ढाई सौ करोड़ के ड्रग्स तस्करी मामले में तमिलनाडु में ईडी की छापेमारी

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने समुद्री मार्ग से श्रीलंका तक हशीश (एक प्रकार का मादक पदार्थ) और मेथामफेटामाइन (आईस ड्रग्स) की तस्करी करने वाले गिरोह के खिलाफ चेन्नई और मदुरै में पांच स्थानों पर छापेमारी की। जांच में करीब 258 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थों की तस्करी का मामला सामने आया है।ईडी ने बताया कि मामला राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) द्वारा जॉन ब्रिट्टो और अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज दो आपराधिक मामलों पर आधारित है। इन मामलों में एनडीपीएस अधिनियम और सीमा शुल्क अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई थी।जांच एजेंसी के अनुसार, गिरोह समुद्री रास्ते से श्रीलंका में बड़ी मात्रा में हशीश और मेथामफेटामाइन की तस्करी करता था। हशीश कैनाबिस यानी गांजा से तैयार किया जाने वाला मादक पदार्थ है। ईडी के मुताबिक, गिरोह ने 99 किलोग्राम हशीश (अनुमानित बाजार कीमत करीब 108 करोड़ रुपये) तथा 37.5 किलोग्राम मेथामफेटामाइन (अनुमानित कीमत करीब 150 करोड़ रुपये) की तस्करी की कोशिश की।ईडी ने बताया कि भारतीय तटरक्षक बल से प्राप्त सूचना के आधार पर डीआरआई, मदुरै ने 5 मार्च 2024 को मन्नार की खाड़ी के गहरे समुद्री क्षेत्र में एक मछली पकड़ने वाली नाव से 99 किलोग्राम हशीश बरामद की थी। इस मामले में रामिश, जेनसन और प्रताप नामक तीन आरोपित पकड़े गए थे। जांच में सामने आया कि ये लोग जॉन ब्रिट्टो के निर्देश पर मादक पदार्थों को अवैध रूप से श्रीलंका पहुंचाने की कोशिश कर रहे थे।एक अन्य मामले में डीआरआई ने 1 मार्च 2024 को मदुरै रेलवे स्टेशन पर फिलोमेन प्रकाश नामक व्यक्ति को 37.645 किलोग्राम मेथामफेटामाइन के साथ पकड़ा था। एजेंसी को संदेह है कि यह खेप भी श्रीलंका भेजी जानी थी।ईडी के अनुसार, जांच में जॉन ब्रिट्टो को पूरे गिरोह का मुख्य सरगना पाया गया। वह पहले भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है। एजेंसी ने कहा कि ब्रिट्टो और उसके सहयोगी, मछुआरों तथा नाव मालिकों की मदद से भारतीय समुद्री क्षेत्र से मादक पदार्थों को खुले समुद्र में श्रीलंकाई संपर्कों तक पहुंचाते थे। तलाशी अभियान के दौरान कई दस्तावेज और अन्य सामग्री बरामद की गई है। ईडी ने कहा कि मामले की जांच जारी है।

संक्षिप्त समाचार

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को गुणवत्ता और आधुनिक तकनीक से जोड़ें: मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान : लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा विभागों की समीक्षा करते हुए साफ तौर पर कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार का लाभ सीधे आम आदमी को मिलना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सरकारी अस्पतालों में इलाज, जांच, दवाओं और आपात सेवाओं की गुणवत्ता लगातार बेहतर होनी चाहिए। साथ ही, मेडिकल कॉलेजों, नर्सिंग संस्थानों और सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं को आधुनिक तकनीक, बेहतर मानव संसाधन और प्रभावी प्रबंधन से सशक्त बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा का उद्देश्य केवल संस्थान बढ़ाना नहीं, बल्कि प्रदेश को प्रशिक्षित चिकित्सक, विशेषज्ञ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्यकर्मी उपलब्ध कराना है। उन्होंने मेडिकल संस्थानों में आधुनिक उपकरणों, विशेषज्ञ फैकल्टी और रिसर्च गतिविधियों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए।

रामपुर में नशीली एवं प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, दो आरोपी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, रामपुर। उत्तर प्रदेश/ जनपद में नशीली एवं प्रतिबंधित दवाओं की रोकथाम को लेकर प्रशासन और पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में कोडीन सिरप की अवैध तस्करी के खिलाफ संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में प्रतिबंधित कोडीन सिरप बरामद किया गया। टीम ने मौके से दो आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि युवाओं को नशे की गिरफ्त में जाने से बचाने के लिए ऐसे अभियानों को लगातार चलाया जाएगा। प्रशासन ने साफ किया है कि नशीले पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और प्रशासन की सख्ती की चर्चा जोरों पर है।

ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त करने पर प्रधानों ने विधायक एवं मुख्यमंत्री का जताया आभार

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर : मंगलवार को दर्जनों की संख्या में ग्राम प्रधानों ने विधायक महेंद्र सिंह खड़कबंशी के कैंप कार्यालय /आवास पर पहुंचकर ग्राम प्रधानों को ही ग्राम प्रधान प्रशासक नियुक्त किए जाने पर विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताते हुए विधायक महेंद्र सिंह को फूल मालाओ से लाद दिया तथा मिठाई खिलाई, वही विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी ने भी सभी ग्राम प्रधानों का आभार जताया, इस मौके पर प्रधान संघ हसनपुर के अध्यक्ष यशपाल प्रधान, प्रधान संघ गंगेश्वरी के अध्यक्ष पप्पू प्रधान एवं मास्टर जगत सिंह, ओम कुमार सिंह, लोकेश सिंह, ताराचंद, महेंद्र सिंह, हरीराज सिंह, सुनील, देशराज पाल, नूर मोहम्मद, राजवीर सिंह, तथा ग्राम पीठखेड़ा, तरौली, कोकापुर, दरियापुर तुगन, जीवपुर मुक्तकम, फरोटा, भीखनपुर सरकी, बहापुर सरकी, मुबारिजपुर, गुरेठा, खेलिया खालसा, देहरी खादर सहित विभिन्न ग्रामों के ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

यूपी में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव मे समाजवादी पार्टी 300 से अधिक सीटें जीतेगी : राजेंद्र खड़गवंशी

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, अमरोहा/ हसनपुरः भाजपा छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हुए गंगेश्वरी ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र खड़कवंशी ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता करते हुए कहा कि इस बार यूपी में 2027 के चुनाव में समाजवादी पार्टी 300 से अधिक सीटें जीतेगी और अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बनेंगे, वहीं उन्होंने मुस्लिम समाज को ईद की शुभकामनाएं दी तथा पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर

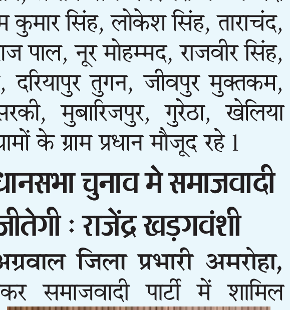

सरकार की आलोचना की, साथ ही उन्होंने बताया कि समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के निर्देश पर वह गांव-गांव जाकर पी डी ए चौपाल लगाकर समाजवादी से लोगों को जोड़ रहे हैं और लोगों को समाजवादी की नीतियों से अवगत करा रहे हैं, वहीं उन्होंने कहा कि देश में महंगाई का तूफान आने वाला है और बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कॉर्पोरेट घराने के अपने मित्रों के 16 सौ करोड़ के कर्ज को माफ कर देश को आर्थिक बोझ के तले दबा दिया है, आने वाले समय में महंगाई और बढ़ेगी तथा आर्थिक संकट गहराएगा। वहीं उन्होंने बताया कि जल्द ही एक कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

हसनपुर ब्लॉक के अधिकारियों ने गौशालाओं में भूसा दान किया

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर : मंगलवार को हसनपुर खंड विकास अधिकारी विजय कुमार सक्सेना द्वारा अस्थाई गौशाला अल्लीपुर खादर में अपनी ओर से 31 कुंतल भूसा दान किया गया साथ ही अन्य लोगों से भी गौशालाओं में अधिक से अधिक भूसा दान करने की अपील की, वही अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी (मनरेगा) हरीश कुमार चौहान द्वारा अपनी बिटिया के 11 जन्मदिन के उपलक्ष में गौशाला तलवाड़ा में 11 कुंतल भूसा दान किया गया एवं ग्रीन शेड पर्दे लगवाए गए जिससे गोवंश को ठंडक मिलती रहे और लू का असर कम हो, वही अधिकारियों ने आम नागरिकों से ग्राम प्रधानों एवं विभिन्न गणमान्य नागरिकों से गौशालाओं में अधिक से अधिक भूसा आदि दान करने की अपील की है बताते चलें कि अधिकारियों द्वारा भूसा दान करने को लेकर अधिकारियों की क्षेत्र में भूरी भूरी प्रशंसा हो रही है वहीं अब देखना है कि अधिकारियों द्वारा दान किए गए भूसे के बाद अब उनसे प्रेरणा लेकर कौन-कौन गौशालाओं को दान करने के लिए आगे आता है।

तीसरी बार नौशाद सैफी के सिर सजा नगर अध्यक्ष का ताज

» अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति की बैठक में हुआ ऐलान, पत्रकारों ने किया जोरदार स्वागत

» मयंक कश्यप को उपाध्यक्ष और सुहेल राजू को महामंत्री की जिम्मेदारी

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति की जिला कमेटी द्वारा नगर कमेटी का कार्यकाल पूर्ण होने पर नगर पंचायत जलालाबाद में वरिष्ठ पत्रकार एवं जिला महासचिव अशरफ अली के आवास पर एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई तथा नई नगर कार्यकारिणी की घोषणा सर्वसम्मति से की गई। बैठक के दौरान संगठन ने एक बार फिर नौशाद सैफी पर भरोसा जताते हुए उन्हें लगातार तीसरी बार अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति नजीबाबाद इकाई का नगर अध्यक्ष नियुक्त किया। इसके साथ ही मयंक कश्यप को नगर उपाध्यक्ष तथा सुहेल राजू को नगर महामंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। जिलाध्यक्ष हाशिम अहमद ने नवमनोनीत पदाधिकारियों के नामों की औपचारिक घोषणा करते हुए नगर अध्यक्ष नौशाद सैफी से शीघ्र नई नगर कार्यकारिणी गठित करने का आह्वान किया। घोषणा होते ही बैठक में मौजूद पत्रकारों और संगठन पदाधिकारियों में खुशी की लहर दौड़ गई। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूल-मालाएं पहनाकर भव्य स्वागत किया गया और उन्हें शुभकामनाएं दी गईं। इस मौके पर संगठन के तहसील कार्यकारिणी सदस्य शहजाद नौमानी को अल नजीब माइक्रो मिनी बै निधि लिमिटेड, कोटद्वार शाखा में शाखा प्रबंधक नियुक्त किए जाने पर भी पत्रकार साथियों ने फूल-मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया। बैठक के उपरांत अशरफ अली की ओर से शानदार दावत का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित पत्रकारों ने आपसी सौहार्द और भाईचारे के माहौल में लजीज व्यंजनों का आनंद लिया। बैठक में वरिष्ठ पत्रकार मरगूब हुसैन नासिर, डॉ. आफताब नोमानी, अफजाल अंसारी, शादाब ज़फर, शहजाद नौमानी, अल्ताफ रज़ा, रिहान अंसारी, डॉ. वसीम बारी, शाही अराफात सैफी, आफताब आलम, शमीम सिद्दीकी, नसीम उस्मानी, अब्दुल रऊफ, जुनैद अंसारी तथा जूनियर रिपोर्टर अमन सहित बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष हाशिम अहमद ने की, जबकि संचालन अल्ताफ रज़ा ने किया।

सिरसी में 38 वर्षों से लगातार निकल रहा शिया जुलूस, गम-ए-हुसैन में डूबे अज़ादार

लोकतंत्र की शान

संभल/सिरसी मक्का से सफ़र जुलूस के मौके पर नवाब हसन साहब के मकान पर एक पुरअसर मजलिस का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में मोमिनीन और अज़ादारों ने शिरकत कर शोहदाए कर्बला को खिराज-ए-अकीदत पेश किया। मजलिस का माहौल पूरी तरह गमगीन रहा और हर तरफ या हुसैन की सदाएं बुलंद होती रहीं। मजलिस को मौलाना अतहर अब्बास मुज़फ्फरनगरी ने ख़िताब किया। उन्होंने अपने बयान में कर्बला के पैगाम, सब्र, कुर्बानी और इंसानियत की अहमियत पर रोशनी डालते हुए कहा कि इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम की कुर्बानी पूरी इंसानियत के लिए मशाल-ए-राह है। मजलिस में सोज़ख़्वानी असद अब्बास व उनके हमनवा ने की नौहाख़्वानी अंजुमन हाशमी द्वारा की गई, जिसे सुनकर अज़ादार गम-ए-हुसैन में डूब गए। मजलिस के बाद संभल में 38 वर्षों से लगातार निकल रहे पारंपरिक शिया जुलूस को अकीदत और एहतराम के साथ बरामद किया गया। जुलूस में तक़रीर मौलाना

आफ़ाक़ ज़ैदी ने की। उन्होंने कहा कि कर्बला का पैगाम अमन, इंसाफ और मजलूमियत की हिमायत का पैगाम है, जिसे हर दौर में याद रखा जाएगा। जुलूस में बड़ी संख्या में अज़ादारों ने शिरकत की और सीना ज़नी व मातम करते हुए इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम को खिराज-ए-अकीदत पेश किया। जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पूरा माहौल गम, अकीदत और एहतराम से सराबोर नजर आया।

चौधरी मुबाशिर अली खान ने किया वार्ड नं 21 में सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण विकास कार्यों को मिली नई रफ़्तार

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

जनपद संभलः के वार्ड नं 21 में सोसाइटी के पीछे चल रहे सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण करने वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी चौधरी मुबाशिर अली खान तथा सदस्य मो० आज़म पहुंचे। इस दौरान क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का जायज़ा लेते हुए अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा गुणवत्ता पूर्ण कार्य कराने के निर्देश दिए गए। क्षेत्रवासियों ने सड़क निर्माण कार्य को लेकर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि लंबे समय से जर्जर सड़क की समस्या बनी हुई थी, जिस पर अब तेज़ी से कार्य कराया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने इस विकास कार्य के लिए नगर पालिका प्रशासन की

सराहना की। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष आसिया मुशीर अली खान की विकासशील सोच एवं जनहित कार्यों की जमकर प्रशंसा की गई। वहीं अधिशासी अधिकारी मणि भूषण तिवारी द्वारा नगर क्षेत्र में लगातार कराए जा रहे विकास कार्यों को भी सराहा गया। वरिष्ठ नेता चौधरी मुबाशिर अली खान ने कहा कि एआईएमआईएम हमेशा जनता की मूलभूत समस्याओं को प्राथमिकता देकर कार्य करती रही है और क्षेत्र में सड़क, नाला, सफाई एवं अन्य विकास कार्यों को लगातार आगे बढ़ाया जाएगा। नगर पालिका प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों की सक्रियता के चलते वार्ड में विकास कार्यों को नई गति मिल रही है, जिससे क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल बना हुआ है।

पूर्व चौकी प्रभारी शाह फैसल को दी गई भावभीनी विदाई, मोहम्मद फिरोज बने सिरसी चौकी प्रभारी

लोकतंत्र की शान

सिरसी। सिरसी पुलिस चौकी के पूर्व प्रभारी शाह फैसल के नरौली पुलिस चौकी प्रभारी बनाए जाने पर क्षेत्र के समाजसेवियों एवं गणमान्य लोगों द्वारा एक भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मौजूद लोगों ने शाह फैसल के कार्यकाल की जमकर सराहना करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए मुबारकबाद पेश की। कार्यक्रम में समाजसेवी एवं संभल मार्केटिंग के पूर्व चेयरमैन चौधरी सैय्यद मोहम्मद फैज़ान अली नक़वी, आदित्य वीर उर्फ सागर रस्तोगी, हाजी आसिफ अली ज़ैदी, सभासद साहिर किदवई, सिरसी मिलक के प्रधान फ़ैयाज़ सैफ़ी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने कहा कि शाह फैसल ने अपने कार्यकाल में निष्पक्ष एवं बेहतर पुलिसिंग कर जनता के दिलों में खास पहचान बनाई। इस दौरान थाना प्रभारी संजय कुमार भी मौजूद रहे। वहीं सिरसी पुलिस चौकी का कार्यभार संभालने पहुंचे नए चौकी प्रभारी मोहम्मद फिरोज का फूल-मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया गया। लोगों ने उनसे क्षेत्र में कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा जनता के साथ बेहतर तालमेल बनाए रखने की उम्मीद जताई। विदाई समारोह के दौरान वक्ताओं ने कहा कि शाह फैसल साहब का कार्यकाल हमेशा याद रखा जाएगा। अंत में सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य और तरक्की के लिए दुआ करते हुए कहा कि अल्लाह तआला उन्हें दिन दूनी रात

चौगुनी तरक़्क़ी अता फ़रमाए।

सुभाष नगर में भक्ति का महासागर, कथा पंडाल में उमड़ रही आस्था की भीड़

» राष्ट्रीय शूटर समर्थ मिश्रा ने कराया श्रीमद् भागवत कथा का विराट आयोजन, कैंट राजनीति में भी बढ़ी हलचल

लोकतंत्र की शान

बरेली | वरिष्ठ पत्रकार संदीप चंद्राः बरेली के सुभाष नगर रामलीला मैदान में इन दिनों आध्यात्मिकता, संस्कृति और सामाजिक एकता का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। विशाल और भव्य पंडाल में चल रही श्रीमद् भागवत कथा ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण में रंग दिया है। कथा स्थल पर हर शाम हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है, जहां भक्ति गीतों, मंत्रोच्चार और कथा वाचन से पूरा माहौल गूंज उठता है। इस भव्य धार्मिक आयोजन का सौजन्य राष्ट्रीय शूटर एवं समाजवादी पार्टी के सक्रिय नेता समर्थ मिश्रा द्वारा किया जा रहा है। कथा आयोजन को लेकर क्षेत्र में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों बाद सुभाष नगर में इतना बड़ा धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन देखने को मिला है। कथा स्थल को आकर्षक फूलों, रंग-बिरंगी रोशनी और पारंपरिक सजावट से भव्य रूप दिया गया है। महिलाओं,

युवाओं और बुजुर्गों की भारी भागीदारी आयोजन को जनआस्था का उत्सव बना रही है। कथा के दौरान भजन मंडली की मधुर प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। बताया जा रहा है कि समर्थ मिश्रा लगातार सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से जनता के बीच अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। खेल जगत में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुके समर्थ मिश्रा अब राजनीति में भी अपनी मजबूत दावेदारी पेश कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार वह कैंट विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के टिकट के प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। राजनीतिक गलियारों में इस आयोजन को केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं बल्कि जनता से जुड़ाव और सामाजिक संदेश के रूप में भी देखा जा रहा है। कथा स्थल पर क्षेत्र के कई सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारी, युवा और विभिन्न संगठनों के लोग पहुंच रहे हैं। इससे समर्थ मिश्रा की जनसंपर्क रणनीति को भी मजबूती मिलती दिखाई दे रही है। अपने संबोधन में समर्थ मिश्रा ने कहा कि "धर्म और समाज सेवा एक-दूसरे के पूरक हैं। भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि समाज में प्रेम, भाईचारे और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देने का माध्यम है।" उन्होंने युवाओं से भारतीय संस्कृति और संस्कारों को अपनाने की अपील भी की। कथा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण, शीतल जल व्यवस्था और बैठने की विशेष सुविधाएं भी की गई हैं। आयोजन समिति के सदस्य व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में लगातार जुटे हुए हैं। सुभाष नगर में चल रही यह श्रीमद् भागवत कथा अब पूरे शहर में चर्चा का विषय बन चुकी है। धार्मिक आस्था के साथ-साथ यह आयोजन राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आने वाले दिनों में कैंट विधानसभा की राजनीति में समर्थ मिश्रा की सक्रियता और तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

प्रेरणा दीदी कैंटीन का खंड विकास अधिकारी ने किया फीता काट कर शुभारंभ

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः मंगलवार को नवनिर्मित तहसील परिसर में खंड विकास अधिकारी विजय कुमार सक्सेना ने प्रेरणा दीदी कैंटीन का फीता काटकर शुभारंभ किया, बताते चलें कि कैंटीन का संचालन लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह पिपली मेकचंद्र की अध्यक्षा अंजू के द्वारा किया जाएगा, इस मौके पर खंड विकास अधिकारी विजय कुमार सक्सेना ने कहा कि सरकार द्वारा महिलाओं के स्वयं सहायता समूह को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह कैंटीन सरकारी कार्यालयो के आसपास खोली जानी सुनिश्चित की गई है जिसके चलते तहसील परिसर में विभिन्न तहसील स्तरीय कार्यालय स्थापित है तथा यहां पर आने वाले लोगों को खाने-पीने की शुद्ध एवं गुणवत्ता पूर्वक वस्तुएं उचित दामों पर प्राप्त होगी जिनका उद्देश्य लाभ कमाने के साथ-साथ उत्तम गुणवत्ता का की खान

पीन की वस्तुएं लोगों को उपलब्ध कराना है, वहीं उन्होंने तहसील परिसर में आने वाले लोगों से प्रेरणा दीदी कैंटीन से ही खाने पीने की वस्तुएं खरीदने का आह्वान किया, इस मौके पर ब्लॉक मिशन प्रबंधक विजेंद्र सिंह, मोनू कुमार, श्रीमती रोहिणी, ग्राम प्रधान अहरोला अहमद यार खां, किसान यूनियन अध्यक्ष, सदस्य, समूल की CLF अध्यक्ष मीना कुमारी आदि सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

चौधरी मुशीर अली खान ने ईदुल अजहा पर सफाई व्यवस्था को लेकर कसी कमर, नगर पालिका अधिकारियों संग की अहम बैठक

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल। आगामी ईदुल अजहा के त्योहार को देखते हुए नगर पालिका परिषद में सफाई व्यवस्था को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान एवं अधिशासी अधिकारी मणि भूषण तिवारी ने नगर के सभी सुपरवाइजरों, सफाई निरीक्षकों और पालिका कर्मचारियों के साथ विस्तार से चर्चा कर त्योहार के दौरान बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान ने कहा कि ईदुल अजहा पर नगर के किसी भी मोहल्ले, वार्ड या मुख्य मार्ग पर गंदगी दिखाई नहीं देनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनता को साफ-सुथरा माहौल देना नगर पालिका की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी

भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं अधिशासी अधिकारी मणि भूषण तिवारी ने सफाई व्यवस्था को लेकर विशेष रणनीति तैयार करते हुए कहा कि त्योहार के दौरान अतिरिक्त सफाई कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी तथा संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने सभी सुपरवाइजरों को निर्देश दिए कि वार्ड स्तर पर लगातार मॉनिटरिंग की जाए और शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में मेंबर हाजी पप्पू सफाई इंस्पेक्टर आसिफ अली, हरीश बाबू सहित नगर पालिका का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के लिए पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का भरोसा दिलाया। नगरवासियों ने भी चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान और अधिशासी अधिकारी मणि भूषण तिवारी की सक्रियता की सराहना करते हुए कहा कि नगर पालिका लगातार जनता की सुविधाओं और स्वच्छता को लेकर गंभीरता से कार्य कर रही है।

बड़े मंगल पर DIG अजय साहनी ने बांटा प्रसाद', स्टेशन रोड हनुमान मंदिर के भंडारे में पहुंचे-परिवार के साथ लिया संतों का आशीर्वाद

लोक तंत्र की शान

(बरेली उत्तर प्रदेश संदीप चंद्रा) 'महंत कालू गिरी ने DIG अजय साहनी को पहनाया पटका', बड़े मंगल पर बरेली में दिखा सेवा भाव-वरिष्ठ पत्रकार विनय कुमार शर्मा, दीपक शर्मा समेत कई गणमान्य रहे मौजूद बरेली, मंगलवार आज ज्येष्ठ माह के *बड़े मंगल के मौके पर बरेली जोन के DIG अजय साहनी ने सेवा और आस्था का संगम पेश किया। मंगलवार को वे स्टेशन रोड स्थित हनुमान मंदिर पर आयोजित विशाल भंडारे में पहुंचे और श्रद्धालुओं को अपने हाथों से पूड़ी-सब्जी, हलवे का प्रसाद वितरण किया। DIG को प्रसाद बांटते देख मंदिर परिसर में मौजूद भक्तों में खासा उत्साह दिखा।साधु-संतों से लिया आशीर्वाद, महंत कालू गिरी ने परिवार को दिया आशीर्वाद' भंडारे के दौरान DIG अजय साहनी ने मंदिर पहुंचकर साधु-संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया। अलखनाथ के महंत कालू गिरी ने DIG अजय साहनी के साथ उनके बेटे और बेटी को भी आशीर्वाद दिया और मंगल कामना की। महंत कालू गिरी ने DIG अजय साहनी को पटका पहनाकर आशीर्वाद प्रदान किया। इस दौरान वे काफी

देर तक भक्तों के बीच रहे और लोगों से हालचाल भी जाना।

'वरिष्ठ पत्रकार विनय कुमार शर्मा, दीपक शर्मा समेत कई लोग रहे मौजूद'-इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार विनय कुमार शर्मा, पत्रकार दीपक शर्मा समेत शहर के कई गणमान्य लोग और मीडियाकर्मी मौजूद रहे। भंडारे में सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजकों ने DIG अजय साहनी का आभार जताते हुए कहा कि अधिकारियों का जनता के बीच आकर सेवा करना सराहनीय कदम है। बड़े मंगल पर शहर भर के हनुमान मंदिरों में भंडारों का आयोजन किया गया।

संक्षिप्त समाचार

महुआ में सरकारी मेडिसिन फेंकी, लाखों की दवाएं गड्ढे में मिलीं,यूरिन कलेक्टिंग बैग और ग्लूकोज टेस्ट स्ट्रिप मिले

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के महुआ प्रखंड अंतर्गत कन्हौली धनराज पंचायत के वार्ड नंबर 09 में बड़ी मात्रा में सरकारी दवाएं फेंकी हुई मिली हैं। चंवर के निकट एक चिमनी के पास खोदे गए गड्ढे से ये दवाएं बरामद हुईं। इस घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने स्वास्थ्य विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। फेंकी गई दवाओं में ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन, लेवोसाल्बुटामोल, पाइरिडॉक्सिन टैबलेट्स, सिल्वर सल्फाडायजीन क्रीम, मेजर्ड वॉल्यूम सेट, यूरिन कलेक्टिंग बैग, ग्लूकोज टेस्ट स्ट्रिप, जिंक सल्फेट ओरल सॉल्यूशन, परमेथ्रिन क्रीम और हैंड ग्लव्स शामिल हैं। इनके साथ बिहार सरकार स्वास्थ्य विभाग के विज्ञापन पर्चे भी मिले हैं। इन दवाओं में एंटीबायोटिक, दर्द निवारक और बच्चों की दवाएं व सिरप की सैकड़ों शीशियां थीं। कई दवाओं पर 'बिहार सरकार द्वारा निःशुल्क वितरण हेतु' लिखा था। अधिकांश दवाओं की एक्सपायरी डेट 2026-27 तक की थी, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वे अभी भी उपयोग योग्य थीं। दवाओं का यह जखीरा देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना स्थानीय मुखिया और पुलिस को दी। ग्रामीण जयप्रकाश यादव, राजेश कुमार, अमित कुमार, सुधीर कुमार, अनिल कुमार और रविंद्र प्रसाद सिंह ने आरोप लगाया कि अस्पतालों में मरीजों को दवाएं नहीं मिलतीं, जबकि यहां उन्हें फेंका जा रहा है। उन्होंने इसे गरीब मरीजों के साथ धोखा बताते हुए स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों पर लापरवाही और कालाबाजारी का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने इस मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। घटना की सूचना स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दे दी गई है। वर्तमान में फेंकी गई दवाएं उसी स्थान पर पड़ी हुई हैं। इस संबंध में पूछे जाने पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा प्रभारी डॉ. अभिषेक कुमार ने कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि स्थल पर पहुंचकर दवाओं का निरीक्षण किया जाएगा और दोषी कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आयुक्त ने लालगंज में तटबंधों का इंस्पेक्शन किया, बाढ़ सुरक्षा और कटाव निरोधी कामों की रिव्यु

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त श्री गिरिवर दयाल सिंह (भा.प्र.से.) ने 25 मई 2026 को वैशाली जिले के लालगंज प्रखंड क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने गंडक नदी के बाएँ तटबंध (तिरहुत तटबंध) के किलोमीटर 68.80 पर स्थित बलहा-बसंता स्थल का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य मानसून और संभावित बाढ़ के मद्देनजर तटबंधों की सुरक्षा, कटाव निरोधी कार्यों और बाढ़ पूर्व तैयारियों की समीक्षा करना था। निरीक्षण के दौरान, आयुक्त ने तिरहुत तटबंध के उन संवेदनशील हिस्सों का अवलोकन किया जहां गंडक नदी तटबंध से सटकर बह रही है। उन्होंने पूर्व में कराए गए कटाव निरोधी कार्यों का जायजा लिया और पाया कि विभाग द्वारा किए गए कार्य प्रभावी हैं तथा तटबंध की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। आयुक्त ने संबंधित अभियंताओं और पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि बाढ़ के दौरान विशेष चौकसी बरती जाए और तटबंध की लगातार निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त सुरक्षात्मक और कटाव निरोधी कार्यों की आवश्यकता का आकलन कर विस्तृत प्रस्ताव शीघ्र विभाग को भेजा जाए, ताकि स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जा सकें। इस अवसर पर आयुक्त ने बताया कि मानसून और संभावित बाढ़ के कारण यह क्षेत्र अत्यंत संवेदनशील है। उन्होंने याद दिलाया कि पहले भी इस क्षेत्र में कटाव की घटनाएं हुई हैं, जिनसे जान-माल और कृषि योग्य भूमि को नुकसान पहुंचा था। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि वर्तमान में विभाग द्वारा कई स्थानों पर कटाव निरोधी कार्य कराए जा रहे हैं और कुछ कार्य प्रस्तावित हैं। स्थानीय ग्रामीण भी भविष्य में कटाव की घटनाओं को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए अतिरिक्त सुरक्षात्मक कार्यों की मांग कर रहे हैं। आयुक्त ने जोर दिया कि बाढ़ की स्थिति अनिश्चित होती है, इसलिए सभी संबंधित विभाग अभी से पूरी तैयारी सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि राहत सामग्री, तटबंधों की निगरानी, आपदा प्रबंधन संसाधन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को समय रहते मजबूत कर लिया जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके।

बाल विवाह उन्मूलन पर जागरूकता अभियान

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के लालगंज प्रखंड स्थित महादलित मथुरापुर कुशदे टोला में बाल विवाह उन्मूलन पर एक सघन जागरूकता अभियान चलाया गया। स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान ने 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान' के तहत जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन परियोजना के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किया। अधिकार मित्र संतोष कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महादलित समुदाय के परिवारों को बाल विवाह के गंभीर दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना था। इसमें किशोर-किशोरियों के अधिकारों की रक्षा के संबंध में भी जानकारी दी गई। स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान के सचिव और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के निदेशक डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला ने कहा कि बाल विवाह केवल एक कानूनी अपराध नहीं है, बल्कि यह बेटियों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास को भी बाधित करता है। डॉ. शुक्ला ने जोर देकर कहा कि वैशाली जिले में हर बच्चे, विशेषकर बेटियों को स्कूल भेजना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि कम उम्र में शादी से बच्चियों का स्वास्थ्य खराब होता है और वे कुपोषण का शिकार हो जाती हैं। उनके अनुसार, बेटियों के शिक्षित हुए बिना समाज का पूर्ण विकास संभव नहीं है। इस अवसर पर अधिकार मित्र संतोष कुमार और चंद्रशेखर ने ग्रामीणों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के कड़े प्रावधानों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस अपराध में शामिल माता-पिता, बिचौलिए और विवाह कराने वाले व्यक्तियों को जेल और भारी जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है। ग्रामीणों से अपील की गई कि बाल विवाह की सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, जेआरसी हेल्पलाइन 1800-102-7222 या स्थानीय पुलिस को दें। कार्यक्रम के अंत में, ग्रामीणों ने बाल विवाह के खिलाफ एकजुट रहने और बाल विवाह न करने की सामूहिक शपथ ली।

मुजफ्फरपुर में 6 दिन से गायब दंपती का सुराग नहीं

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र स्थित भगत मार्केट के प्रोप्राइटर मनोज भगत और उनकी पत्नी मीनू देवी के रहस्यमय ढंग से लापता होने के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। बीते 20 मई से लापता दंपती की तलाश में पुलिस लगातार छानबीन कर रही है। मामले में संपत्ति विवाद, पुराने आपराधिक मामले और लेनदेन समेत कई बिंदुओं पर जांच चल रही है। पुलिस का कहना है कि परिजनों और रिश्तेदारों से पूछताछ में कई अहम जानकारियां मिली हैं। सोमवार को एसडीपीओ टाउन-2 बिनीता सिन्हा ने उस कमरे का भी निरीक्षण किया, जहां से दंपती रहस्यमय तरीके से गायब हुए थे। परिजनों का दावा है कि कमरे के बेड पर खून के धब्बे मिले थे, जिससे हत्या की आशंका और गहरा गई है। हालांकि, पुलिस ने मौके से सैंपल जुटाकर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है। अब एफएसएल रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि कमरे में मिले धब्बे वास्तव में खून के हैं या कुछ और। दंपती की बेटी शिफाली कुमारी ने अपने सगे चाचा पर संदेह जताया है। उसने बताया कि उसके माता-पिता शादी को लेकर मुजफ्फरपुर आए थे। 19 मई को उसकी आखिरी बार माता-पिता से बात हुई थी और तब सबकुछ सामान्य था। लेकिन 20 मई से दोनों के मोबाइल लगातार बंद आने लगे, जिसके बाद अनहोनी की आशंका हुई और पुलिस को सूचना दी गई। शिफाली का कहना है कि उसके पिता और चाचा के बीच संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। उसने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपए की मार्केट संपत्ति पर कब्जे की नीयत से उसके चाचा ने कुछ कराया हो सकता है।

मनोज भगत के बहनोई ने बताया कि मनोज का ज्यादातर समय दिल्ली में गुजरता था। उनके खिलाफ पहले से कुछ मामले दर्ज थे। हत्या के एक मामले में वह जेल भी जा चुके थे और सजा काटकर लौटे थे। दिल्ली के कुछ कारोबारियों के साथ लेनदेन को लेकर विवाद भी चल रहा था। उन्होंने कहा कि पुलिस को हर एंगल से निष्पक्ष जांच करनी चाहिए, क्योंकि अचानक दोनों का गायब हो जाना कई सवाल खड़े करता है।

हत्या कांड का मुख्य आरोपी 72 घंटे के भीतर गिरफ्तार, पुलिस की त्वरित कार्रवाई

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाताः सहरसा जिले के बलवाहाट थाना क्षेत्र में हुई एक विवाहिता की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को महज 72 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। इस कार्रवाई से पुलिस की तत्परता और जांच की गंभीरता स्पष्ट रूप से सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 22 मई 2026 को बलवाहाट थाना क्षेत्र अंतर्गत मदनपुर वार्ड संख्या–02 में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया था। इस घटना को लेकर मृतका की मां नूरानी खातून के लिखित आवेदन के आधार पर बलवाहाट थाना कांड संख्या–93/2026 दर्ज किया गया। मामले में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 103(1) और 61(2) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, सहरसा के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सिमरी बख्तियारपुर के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मानवीय सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी, मृतका के पति मो. जफर को घटना के 72 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मो. जफर, पिता सलामत, निवासी मदनपुर वार्ड संख्या–02, थाना बलवाहाट, जिला सहरसा के रूप में हुई है। वहीं, इस घटना में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है। इस सफल कार्रवाई में थानाध्यक्ष राजू कुमार, पुलिस पदाधिकारी ऋतु रानी तथा बलवाहाट थाना के सशस्त्र बल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले में शामिल सभी आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा और न्याय सुनिश्चित किया जाएगा।

ईद-उल-अजहा भाईचारा, इंसानियत और कुर्बानी का प्रतीकः डॉ. धनोज कुमार

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाताः ईद-उल-अजहा के पावन अवसर पर मधेपुरा लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी डॉ. धनोज कुमार ने बिहार सहित देश एवं दुनिया भर के मुस्लिम समाज को हार्दिक मुबारकबाद एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि ईद-उल-अजहा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि इंसानियत, त्याग, समर्पण, भाईचारा और सामाजिक एकता का संदेश देने वाला महान त्योहार है। डॉ. धनोज कुमार ने कहा कि यह पर्व हज़रत इब्राहिम अलैहिस्सलाम की अटूट आस्था, कुर्बानी और अल्लाह के प्रति समर्पण की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जब समाज में नफरत और भेदभाव फैलाने की कोशिशें हो रही हैं, ऐसे में यह त्योहार प्रेम, सद्भाव और आपसी सम्मान की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सच्चा इंसान वही है जो दूसरों के दुख-दर्द को समझे, जरूरतमंदों की सहायता करे और समाज में अमन-चैन बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि भारत विविधताओं का देश है, जहां सभी धर्मों के लोग मिलजुलकर त्योहार मनाते हैं, जो हमारी संस्कृति और लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। डॉ. धनोज कुमार ने कहा कि कुर्बानी का वास्तविक अर्थ केवल पशु बलि तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने अंदर की बुराइयों—अहंकार, लालच, नफरत और स्वार्थ—को त्यागकर इंसानियत की सेवा करना ही सच्ची कुर्बानी है। उन्होंने समाज के गरीब, कमजोर और वंचित वर्ग के प्रति संवेदनशील रहने और उनकी मदद करने का संदेश दिया। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि देश तभी आगे बढ़ेगा, जब सभी समुदाय मिलकर विकास, शांति और भाईचारे के मार्ग पर चलेंगे। अंत में डॉ. धनोज कुमार ने अल्लाह तआला से दुआ की कि देश और बिहार में अमन-चैन कायम रहे, सभी के जीवन में खुशहाली आए और हर घर खुशियों से भर जाए। उन्होंने कहा कि ईद-उल-अजहा का यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, तरक्की और भाईचारे की नई रोशनी लेकर आए।

गंगा में डूबकर 3 की मौत, नाबालिगों को बचाने में एक की गई जान

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना में चार लोग डूब गए हैं। इनमें 3 की मौत हो गई है। मरने वालों में कदमकुआं दरियापुर के चंदन कुमार (35), अमित (15) और समर शामिल है। वहीं, जॉय (17) अभी लापता है। तीनों नाबालिग कंकड़बाग RLMS कॉलोनी के रहने वाले हैं। 9वीं क्लास में पढ़ते थे। अमित और जॉय चचेरे भाई है, जबकि समर दोनों का दोस्त है।

बताया जा रहा कि 4 नाबालिग जब डूबने लगे तो चंदन उन्हें बचाने के लिए नदी में कूदे थे, पर वे पानी के बीच दलदल में फंस गए और वे भी डूब गए। उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा कि ये सभी गंगा स्नान के लिए घाट पर गए। इसी दौरान पानी के ज्दाया गहराई में जाने से हादसा हो गया। लापता बच्चे की तलाश की जा रही है। घटना थाना क्षेत्र के गांधी घाट की है।

बेटा पानी में जाने से डरता था, दोस्त जबरदस्ती ले गएः मृतक अमित के पिता रंजीत कुमार ने बताया कि मेरा बेटा, भतीजा और इन दोनों के दोस्त डूबे थे। जिसमें से मेरे बेटे अमित की बॉडी मिली है। भतीजा जॉय की बॉडी नहीं मिली है। सुबह में बिना बताए साइकिल से निकले थे। जॉय और अमित दोनों 9वीं के छात्र थे। मेरा बेटा नदी में जाने से डरता। उसे जबरदस्ती उसका दोस्त पानी में ले गया।

स्थानीय बिरजू ने कहा कि लड़के नहा रहे थे। इसी दौरान डूबने लगे। एक भइया ने बचाने के लिए छलांग लगाई, पर वो भी डूब गए। उनकी मौत हो गई। सुबह करीब 8 बजे की घटना है। मौके पर विक्रम ने कहा कि 4 डूब गए। 3 को मैंने खुद निकाला है। एक अभी भी लापता है।

जिला हाईवे सेफ्टी टास्क फोर्स की बैठक में सड़क सुरक्षा को लेकर व्यापक कार्ययोजना तैयार

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाताः सहरसा जिले में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिला हाईवे सेफ्टी टास्क फोर्स द्वारा एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। इस योजना के तहत राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने, दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा यातायात प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। कार्ययोजना के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्गों पर नियमित निरीक्षण एवं हाईवे पेट्रोलिंग के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) तैयार की जाएगी। संबंधित विभागों के संयुक्त निरीक्षण दल का गठन कर नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही पुलिस एवं परिवहन विभाग के सहयोग से हाईवे सर्विलांस टीम भी गठित की जाएगी। अवैध अतिक्रमण और निर्माण पर सख्ती बरतते हुए राष्ट्रीय राजमार्गों के राइट ऑफ वे (ROW) के अंतर्गत आने वाले ढाबों, होटलों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की पहचान कर सूची तैयार की जाएगी। इन अवैध संरचनाओं को हटाने के लिए अभियान चलाया जाएगा, जिसमें जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन संयुक्त रूप से कार्रवाई करेंगे। हाईवे पर अवैध पार्किंग को रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। भारी वाहनों की पार्किंग केवल निर्धारित ट्रक ले-बाय, पार्किंग बे या वे-साइड सुविधाओं में ही सुनिश्चित की जाएगी। सड़क किनारे अनधिकृत वाहन खड़ा करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। लाइसेंस, एनओसी एवं व्यापार अनुमति की भी समीक्षा की जाएगी। बिना पूर्व स्वीकृति के संचालित प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और भविष्य में बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के किसी भी नए प्रतिष्ठान को अनुमति नहीं दी जाएगी।

बिहटा में दया दुबे गैंग का तीसरा सदस्य गिरफ्तार, हथियार और जिंदा कारतूस बरामद

लोकतंत्र की शान , पटन

पटना के बिहटा थाना क्षेत्र में सक्रिय दया दुबे गैंग के तीसरे सदस्य को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अपराधी की पहचान रानीतालाब निवासी रंजय कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से एक पिस्टल, 10 जिंदा कारतूस और एक मैगजीन बरामद की है। इससे 2 दिन पहले, पुलिस ने इसी गैंग के 2 अन्य सदस्यों आदित्य कुमार और सचिन कुमार को भी गिरफ्तार किया था। उनके पास से एक देसी कट्टा और आठ जिंदा कारतूस बरामद हुए थे। पुलिस दया दुबे गैंग के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। हालांकि, इस गैंग का मुख्य आरोपी दया दुबे अभी भी फरार है। पुलिस की टीमें उसकी गिरफ्तारी के लिए आसपास के जिलों में लगातार छापेमारी कर रही हैं।

2 अपराधियों की निशानदेही पर रंजय कुमार को गिरफ्तार कियाः पटना पश्चिम सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने इस पूरे मामले पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पटना पश्चिम क्षेत्र में दया दुबे गैंग की आपराधिक गतिविधियां बढ़ गई हैं, जिसके मद्देनजर पुलिस और तकनीकी टीमें लगातार काम कर रही हैं। एसपी ने बताया कि पूर्व में गिरफ्तार किए गए 2 अपराधियों की निशानदेही पर रंजय कुमार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस को सूचना मिली थी कि रंजय बिहटा क्षेत्र में किसी बड़ी की घटना को अंजाम देने के फिराक में था। एसपी ने यह भी बताया कि दया दुबे गैंग सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन कर लोगों में खौफ पैदा करता है। हाल ही में बिहटा क्षेत्र में एक महिला से सोशल मीडिया के जरिए 7 लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई थी और उसके घर पर फायरिंग कर इसी गैंग ने दहशत फैलाने की कोशिश की थी। जिसके बाद पुलिस एक्शन में आई और कार्रवाई शुरू की। फिलहाल इस गैंग के मुख्य आरोपी दया दुबे की गिरफ्तारी में पुलिस की टीम लगातार छापेमारी कर रही है।

गैंग का मुख्य आरोपी अभी भी फरार

महिला ने मामला दर्ज कराया थाः दरअसल, बिहटा थाना में शोभा देवी नामक एक महिला ने मामला दर्ज कराया था। जहां महिला ने बताया कि कुछ युवक उनके घर पर फायरिंग की है। सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर वीडियो कॉल के जरिए 7 लाख की रंगदारी मांगी है।

सीएम सम्राट चौधरी के हरे गमछे वाले बयान पर बना गाना, सोशल मीडिया पर हो रहा शेयर

लोकतंत्र की शान , पटन

बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के 'हरे गमछे' वाले बयान के बाद सियासत हो रही है। नेताओं की बयानबाजी के बीच अब इस मुद्दे पर गाना भी लॉन्च हो गया है, जो सोशल मीडिया पर है। "काहे यादव जी नाम बदनाम बा, यदुकुल में जन्म हुई एकड़ गुमान बा, हरियर गमछिया यादव के शान बा...", बोली और राजनीतिक तंज से भरे इस गाने को एसकेडी राज यदुवंशी ने तैयार किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लोग इस गाने को खूब शेयर कर रहे हैं और इसे सम्राट चौधरी के बयान से जोड़कर देखा जा रहा है।

AI समिट में सम्राट चौधरी ने दिया था बयानः दरअसल, बीते शनिवार को पटना में आयोजित AI समिट के मंच से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा था कि पटना में करीब 4 हजार AI कैमरे लगाए गए हैं। अगर AI सिस्टम को यह निर्देश दे दिया जाए कि "हरे गमछे वाले को खोजो", तो वह तुरंत ऐसे लोगों की पहचान कर लेगा। हालांकि, बयान के तुरंत बाद उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि उनका इशारा किसी खास व्यक्ति या समूह की ओर नहीं है। सीएम के बयान के बाद से ही सोशल मीडिया पर 'हरे गमछे' को लेकर मीम्स, वीडियो और गानों की भरमार हो गई है। वायरल हो रहे इस भोजपुरी गाने को कई लोग यादव समाज और उनकी पहचान से जोड़कर देख रहे हैं। गाने के बोल में 'हरिहर गमछिया' को यादव समाज की शान बताया गया है।

डेढ़ लाख से अधिक महिलाओं को मिलेगा फायदा

लोकतंत्र की शान , पटन

बिहार सरकार ने संविदा (कॉन्ट्रैक्ट), बेल्ट्रॉन और आउटसोर्सिंग पर तैनात महिला कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। अब इन्हें भी नियमित (रेगुलर) महिला कर्मियों की तरह हर महीने दो दिनों का विशेष आकस्मिक अवकाश (स्पेशल लीव) मिलेगा। समाज कल्याण विभाग ने सोमवार को इसका आधिकारिक आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया। इसके साथ ही विभाग ने 20 जुलाई 2023 का अपना पुराना आदेश रद्द कर दिया है। सरकार के इस फैसले से राज्य की डेढ़ लाख से अधिक महिला कर्मियों को माहवारी के समय बड़ी राहत मिलेगी।

महिलाओं को हर महीने माहवारी के दौरान दो दिनों का विशेष अवकाश देने वाला बिहार देश का पहला राज्य है। बिहार में यह व्यवस्था 2 जनवरी 1992 से लागू है।

छुट्टी के लिए ये तीन नियम जानना जरूरी एक साथ मिलेगी छुट्टी : महिला कर्मियों को हर माह 2 दिनों की स्पेशल लीव 1 बार में लगातार लेनी होगी। सामान्य छुट्टियों से अलग : यह विशेष अवकाश कैलेंडर वर्ष में मिलने वाली सामान्य आकस्मिक छुट्टियों के अतिरिक्त दिया जाएगा। कंट्रोलिंग ऑफिसर देंगे मंजूरीः इस विशेष छुट्टी को मंजूर करने का पूरा अधिकार संबंधित नियंत्री पदाधिकारी के पास होगा।

मॉनसून में जलजमाव की होगी रियल टाइम डिजिटल मॉनिटरिंग, 30 मई तक तैयार होगा बुडको का कंट्रोल रूम

लोकतंत्र की शान , पटन

पटना में मॉनसून के दौरान जलजमाव के रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए बुडको की ओर से कंट्रोल रूम की स्थापना की जाएगी। 30 मई तक इसे तैयार कर लिया जाएगा। इसके जरिए शहर के प्रमुख नालों, पंप हाउसों और जलभराव वाले क्षेत्रों की 24 घंटे डिजिटल मॉनिटरिंग की जाएगी। नाले में पानी का स्तर बढ़ते ही ऑटोमैटिक पंप चालू हो जाएगा। इससे शहर में जलजमाव की स्थिति से निपटने में मदद मिलेगी।

मानसून में हर अंचल के लिए पदाधिकारी की होगी नियुक्तिः बिहार राज्य शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम (बुडको) एमडी अनिमेष कुमार पराशर ने कहा कि जो अधूरे काम बचे हैं, उसे मई में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मानसून के टाइम में हर अंचल के लिए मुख्यालय स्तर से पदाधिकारी की नियुक्ति की जाएगी। मई के अंत तक कंट्रोल रूम तैयार कर लिया जाएगा। शहर में कहीं भी छोटा-मोटा जो कनेक्शन का काम बचा हुआ है, जैसे कि किसी आउटफाल से ड्रेन कनेक्ट नहीं है, उसका काम भी अंतिम चरण में है।

सड़क रिस्टोर करके रोड कंस्ट्रक्शन डिपार्टमेंट को किया जाएगा हैंडोवरः कहा कि हम लोग पटना नगर निगम के साथ क्लोज कोऑर्डिनेशन में है। बुडको से जुड़े इशू को लेकर हम लोग निरंतर बैठक कर रहे हैं। सड़क में कई जगह सड़कें खुदी हुई है, क्योंकि नमामि गंगे का काम चल रहा है। बुडको की ओर से करीब 5 किलोमीटर सड़क का रेस्टोरेशन करना है, जिसमें से हम लोगों ने 3800 मी. सड़क को रिस्टोर करके रोड कंस्ट्रक्शन डिपार्टमेंट को हैंडोवर कर दिया है। अभी बहुत कम ही काम बचे हुए हैं, जिसे मानसून से पहले पूरा कर लिया जाएगा।

पानी का स्तर बढ़ते ही ऑटोमैटिक पंप होगा चालू

डीपीएस और पंप होंगे तैनातः पटना शहर में कुल 56 स्थाई और 35 अस्थाई डीपीएस हैं। वहीं, शहर की जलनिकासी के लिए कुल 364 पंपों का इस्तेमाल किया जाएगा, जिनमें 265 इलेक्ट्रिक चालित और 99 डीजल पंप शामिल हैं। स्थाई डीपीएस पर 256 पंप और अस्थाई डीपीएस पर 83 पंप लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त 8 नए डीपीएस भी तैयार किए गए है, जिसकी सुविधा मॉनसून के दौरान मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

जमोड़ी पुलिस की जन चौपाल में साइबर अपराध और नशा मुक्ति पर जागरूकता

महिला सुरक्षा, बाल अपराध रोकथाम सहित विभिन्न विषयों पर दी गई जानकारी

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान सीधी। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार थाना जमोड़ी पुलिस द्वारा ग्राम पंचायत तेंदुआ में जन चौपाल का आयोजन कर ग्रामीणों को विभिन्न सामाजिक एवं कानूनी विषयों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में साइबर अपराधों से बचाव, नशा मुक्ति, बाल अपराधों की रोकथाम तथा महिला अपराधों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। जन चौपाल को संबोधित करते हुए डीएसपी मुख्यालय अमन मिश्रा ने कहा कि वर्तमान समय में साइबर ठगी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में लोगों को अज्ञात कॉल, फर्जी लिंक एवं ऑनलाइन लेनदेन के दौरान विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील की। थाना प्रभारी जमोड़ी दिव्य प्रकाश त्रिपाठी ने नशे के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से नशे से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया। वहीं महिला सुरक्षा एवं बाल अपराधों से संबंधित कानूनों की जानकारी देते हुए लोगों को जागरूक किया गया।

शिवपुरी सहकारी बैंक में किसानों के करोड़ों रुपये फंसे

» वर्षों से आंदोलनों के बाद भी शासन प्रशासन मौन
» सरकार की संवेदनहीनता शर्मनाक -अजय सिंह

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान सीधी। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने शिवपुरी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की खराब माली हालत और वर्षों से अपनी ही जमा पूंजी वापस पाने के लिए दर-दर भटक रहे हजारों किसानों, व्यापारियों और मजदूरों की दुर्दशा पर गहरा दुख और चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत शर्मनाक है कि सरकार की नाक के नीचे शिवपुरी जिले के नागरिकों की गाढ़ी कमाई बैंक में फंसी हुई है और कई आंदोलनों के बावजूद न तो स्थानीय प्रशासन और न ही राज्य सरकार इस पर कोई ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन को आंदोलनों को दबाने के बजाय पीड़ित नागरिकों के साथ बैठकर उनकी समस्या का समाधान निकालना चाहिए| अजय सिंह ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रभाव क्षेत्र का सीधे तौर पर जिक्र करते हुए सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, "यह बेहद विडंबनापूर्ण है कि जिस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व भाजपा के इतने कद्दावर नेता करते हैं, वहां का किसान, छोटा व्यापारी और मजदूर आज एक-एक पैसे के लिए मोहताज है। लोग अपनी बेटियों की शादी, इलाज और खेती-किसानी के लिए अपनी ही फिक्स्ड डिपॉजिट और बचत खाते का पैसा निकालने के लिए वर्षों से चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उनकी सुनने वाला कोई नहीं है। क्या यही भाजपा का सुशासन है?"

हरियाणा में ओटी असिस्टेंट की शैक्षणिक योग्यता बढ़ाई

लोकतंत्र कि शानः चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं में एक बड़ा सुधार करते हुए ऑपरेशन थिएटर (ओटी) असिस्टेंट की शैक्षणिक योग्यता को बढ़ाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। ऑपरेशन थिएटर असिस्टेंट वेलफेयर एसोसिएशन, हरियाणा ने ओटी असिस्टेंट की योग्यता को 'दस जमा दो साइंस' कक्षा उत्तीर्ण से बढ़ाकर 'बीएससी ओटी टेक्नोलॉजी' किए जाने के फैसले का स्वागत किया है।एसोसिएशन के प्रधान राहुल जागलान एवं महासचिव राजेंद्र सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव से चंडीगढ़ में विशेष मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए मंत्री का आभार व्यक्त किया। एसोसिएशन के सदस्यों ने कहा कि यह निर्णय केवल एक शैक्षणिक सुधार नहीं है, बल्कि हरियाणा की सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक और मजबूत बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा। इससे सरकारी अस्पतालों में सर्जिकल सेवाओं की गुणवत्ता में बड़ा सुधार होगा तथा मरीजों की सुरक्षा पहले से अधिक सुनिश्चित हो सकेगी। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत अस्पतालों पर कैशलेस सर्जिकल लोड लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में आधुनिक और अत्याधुनिक सर्जिकल उपकरणों के प्रभावी संचालन के लिए तकनीकी रूप से दक्ष स्टाफ की आवश्यकता समय की मांग है। इसी को देखते हुए राज्य सरकार ने 'बीएससी ओटी टेक्नोलॉजी' योग्यता लागू करने का निर्णय लिया है।

आशा वर्कर्स ने स्वास्थ्य मंत्री को सौंपा 9 सूत्रीय मांग-पत्र

लोकतंत्र कि शानः चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव से चंडीगढ़ में आज आशा वर्कर्स के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस औपचारिक बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य मंत्री को अपनी मुख्य समस्याओं से अवगत कराया और उन्हें 9 सूत्री मांग-पत्र सौंपा। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने प्रतिनिधिमंडल की सभी बातों को बेहद ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने आशा वर्कर्स के काम की सराहना करते हुए विश्वास दिलाया कि सरकार उनकी समस्याओं के प्रति पूरी तरह गंभीर है। उन्होंने स्पष्ट रूप से आश्वासन दिया कि आशा वर्कर्स की जितनी भी जायज मांगें हैं, उन्हें जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने नेशनल हेल्थ मिशन हरियाणा के डायरेक्टर को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने डायरेक्टर को निर्देश दिए कि सौंपे गए 9 सूत्री मांग-पत्र के सभी बिंदुओं और तकनीकी मुद्दों का गहराई से अध्ययन किया जाए और इस पर त्वरित उचित कार्रवाई अमल में लाई जाए।

साहित्यकार ही मन की उड़ान है साहित्य से दिखता है रोशनी, रामेश्वर

राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

साहित्य जीवन की रूपरेखा है साहित्य के माध्यम हम समाज को नई रोशनी दिखा सकते हैं उक्त विचार रामेश्वर देव ने कहे इसी के साथ उन्होंने जीवन की रूपरेखा को आगे बढ़ाया इस मौके पर वरिष्ठ शायर इकबाल पानीपत ने अपने अध्यक्षता कार्यक्रम में कहां की साहित्य जीवन का अनमोल मार्गदर्शन है जिसमें सामाजिक जागरूकता अत्यंत जरूरी है यह समाज को नया दर्पण दिखाता हैं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजसेवी संदीप नैन, विशिष्ट अतिथि कुरुक्षेत्र , वरिष्ठ शायर स. कुलवन्त सिंह रफीक, शायरा, गायत्री, कौशल आर्य व कवि दयाल चन्द जास्ट रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ शायर इकबाल पानीपती ने कहा हर तरफ थी आग की लपटे धूंआ था बेशुमार,आप कहते हैं के बसती में जला कुछ भी नहीं, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ महावीर प्रसाद शास्त्री ने कहा सदा हो चैन ले गई, रूंओस नैन दे गई, सुख एक रैन दे गई, विदेश की चमक दमक, मुख्य अतिथि सन्दीप नैन ने कहा साहित्य समाज में चेतना जगाने का कार्य करता है और जिससे समाज को दिशा मिलती है, वरिष्ठ शायर कुलवन्त सिंह रफीक ने कहा मनहूस हवाओं से बचाती हैं बेटियां,घर को मुहब्बतों से सजाती है बेटियां, शायरा गायत्री कौशल आर्य ने कहा आप आने लगे ख्यालों में,मैं उलझनें लगी सवालों में, कवि दयाल चन्द जास्ट ने कहा युद्ध है अंतिम निर्णय नहीं होता, ढूंढने से समस्या के और भी हल निकलते है, कवियत्री पूनम गोयल ने कहा तुम आए चांद की तरह मेरी अंधेरी रात में, अभी जरा सी देर

तो रहो मेरी निगाह में, कवि दलीप खरेरा ने कहा कुछ नहीं हुआ हासिल, देख लिया बनकर शातिर,काश कली बन जाऊं फिर,मासूम तितलियों की खातिर, युवा शायर रामेश्वर देव ने कहा कब मेरा बदल जाए मुकद्दर पता नहीं, ये वहम मेरे दिल का कभी टूटता न था, कवि डॉ आर बी कपूर ने कहा गुजर तुमने भी जाना है,गुजर हमने भी जाना है, कवि डॉ सुभाष सैनी ने कहा उनकी बातों में एक बात बड़ी खास होती है, कि झूठ बोलते वक्त वाणी में पूरी मिठास होती है,कवि प्रेम पाल सागर ने बेचते वो मौत का सामान हैं पगले, खुद को कहते कौम का निगाहबान है पगले,कवि नरेश लाभ ने कहा तुम मेरी जीवन मधुशाला, तुमसे है इतनी सी आशा,कवयित्री रोजलीन ने कहा कभी पतझड़ के टूटे तिनकों, सूखे पत्तों को बुहार कर, कुछ सहेजा था इन हथेलियों ने, कवयित्री अनुजा कपूर ने कहा हम कुछ भी उधार नहीं लेते, कफ़न भी लेते हैं तो जान देकर,शायरा वनीता चौपड़ा ने कहा मन की यह धरती पानी पानी हो बैठी,नैनन नैनन नवल नेह की जब पहली बरसात हुई,युवा शायर अशोक मलंग ने कहा हर बात वो बताकर कहती हैं खैर छोड़ो, जज्बात वो जगाकर,कहती हैं खैर छोड़ो, कवि राजकुमार 'मायूस'ने कहा गमों का बोझ उठा कर हम चलते ही रहे, मन्जिल का निशा हम को, अभी तक मिला नहीं, कवि डॉ श्याम सिंह ने कहा प्रेम को कहते सब पूरा, लेकिन वह तो अधूरा है, चलती सांसें जब थम जाती,जीवन कहते पूरा है, कवयित्री प्रीति सिंह ने कहा जख्मों की दरारों से झांकता एक रिश्ता,कभी बड़ा अनमोल था तेरे लिये भी मेरे लिये भी, डॉ सोनिया नैन ने कहा मैं चिड़िया तेरे आंगन की जाऊं कहां मैं, जाऊं कहां, कवयित्री सुमन शर्मा ने कहा कुछ ख्वाब बनते हैं अधूरे रह जाने के लिए। कार्यक्रम में स. गुरमुख सिंह वड़ैच, राजपाल रोजडा, रमेश कुमार ने भी अपनी अपनी प्रस्तुति दी। संस्था की ओर से कार्यक्रम अध्यक्ष, मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिह्न व शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन युवा शायर रामेश्वर देव ने किया।कार्यक्रम में विरेन्द्र कुमार,नवीन कुमार, गोपाल दास,आरती,शीला रानी,सुरेखा,देव, प्रिया ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई,, कार्यक्रम में अनेक साहित्यकार और कवियों ने भाग लिया

पहरूआ में अतिक्रमणकारियों के रसूख पर चली जेसीबी,अतिक्रमण जमींदोज

करीब 65 लाख रुपए बाजार मूल्य की शासकीय भूमि से हटाया गया अतिक्रमण

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी - शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के समय समय-समय पर कलेक्टर श्री आशीष तिवारी द्वारा दिए गए निर्देश के पालन में स्लीमनाबाद तहसील के ग्राम पहरुआ स्थित करीब 65 लाख रुपए अनुमानित बाजार मूल्य की शासकीय भूमि पर अतिक्रमणकारियों द्वारा किए गए कब्जे को जेसीबी चलाकर जमींदोज कर दिया गया और शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

तहसीलदार स्लीमनाबाद श्री आकाशदीप नामदेव द्वारा शासकीय भूमि परअवैध कब्जाधारियों से भूमि खाली कराने की कार्यवाही की गई।

इन्होंने किया था अवैध कब्जा- ग्राम पहरुआ स्थित भूमि खसरा नम्बर 141, 84, 142, 141, 227, 234/1, 227, 233, 222, 231, 214, 641, 219, 226, 228, और खसरा नम्बर 222 की शासकीय भूमि पर क्रमशः शंकरपुरी, जगत पटेल, बाबूलाल, यदुनंदन, दामोदर, लक्ष्मण और अरविंद पटेल, प्रदीप, सुरेन्द्र, निर्भय सिंह, प्रमोद सिंह, रामकुमार, ब्रजकिशोर, राममिलन बर्मन, तथा मर्रो बाई, प्रकाशपुरी, प्रतापपुरी, मैकू, संदीप, विजय बर्मन और गोविंद द्वारा किये गये अवैध कब्जे से जेसीबी मशीन द्वारा बेदखल कर दिया गया।

गिराईं गई तीन दुकानें- तहसीलदार श्री नामदेव ने बताया कि अतिक्रमणकारियों द्वारा करीब 25 एकड़ शासकीय भूमि पर कब्जा कर कृषि कार्य किया जा रहा था। जबकि अतिक्रमण कर तीन व्यावसायिक दुकानें भी बना लीं गई थी। जिन्हें जेसीबी चला कर नेस्तनाबूद कर दिया गया। इनमें दो दुकानें 8 बाय 10की और एक दुकान 25 बाय 10 की बनीं थीं।

दो महीने में आधा दर्जन बैंक कर्मियों का दोबारा ट्रांसफर

मामला जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. सीधी का प्रशासक की बिना अनुमति के किया गया ट्रांसफर

लोकतंत्र की शानः (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित सीधी के प्रभारी सीईओ द्वारा प्रशासक की बिना अनुमति व्यवस्था बनाने के नाम पर स्थानांतरण का खेल खेला गया। प्रभारी सीईओ ने चहेतों का मन चाहा स्थानांतरण करने में कोई गुरेज नहीं रखा। बताते चलें कि जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित सीधी के सीईओ के अधीन सीधी एवं सिंगरौली जिले की बैंक शाखाएं हैं। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित सीधी के सीईओ का प्रभार पाने के बाद आशय तिवारी द्वारा आवश्यकता न होने पर भी स्थानांतरण करने की कार्ययोजना कुछ खास लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए बनाई गई। हैरत की बात तो यह है कि आधा दर्जन कर्मचारियों का स्थानांतरण दो महीने के अंदर दूसरी बार किया गया। प्रथम स्थानांतरण तात्कालिक सीईओ पीएस धनवाल द्वारा मार्च 2026 में किया गया है। एक महीने बाद ही अप्रैल 2026 में

आधा दर्जन बैंक कर्मियों का दूसरी बार स्थानांतरण कर दिया गया है। स्थानांतरण होने के बाद से ही कुछ बैंक कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त है। ऐसे लोगों का मानना है कि जो स्थानांतरण किया गया है वह कुछ खास बैंक कर्मियों को फायदा पहुंचाने के लिए सभी नियमों को ताक पर रखकर किया गया है। स्थानांतरण से प्रभावित होने वालों में शाखा प्रबंधक हैं। कुछ बैंक कर्मियों का तो प्रथम बार जहां से स्थानांतरण किया गया था वहीं फिर से उनको स्थानांतरित कर दिया गया है। ऐसे में बैंक कर्मियों का मानना है कि सुविधा शुल्क के चलते ही सभी नियमों को दरकिनार किया गया है। यदि बैंक में व्यवस्था बनाने के नाम पर मनमानी तौर पर स्थानांरतण का खेल खेला जाएगा तो इसका स्पष्ट प्रभाव बैंक के काम-काज पर पडऩा लाजिमी है। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अंतर्गत बैंकिंग सेवाओं के अलावा सहकारी समितियों का काम भी होने के कारण यहां के प्रबंधकों के ऊपर बड़ी जिम्मेदारी रहती है। उपार्जन के दौरान तो यह जिम्मेदारी और भी ज्यादा बढ़ जाती है।

संघर्ष रंग लाया: केरवालिया नाड़ी में गंदे पानी की निकासी रुकी, प्रशासन ने मानी सभी मांगें

लोकतंत्र कि शानः मेड़ता रोड/नागौर : एजाज़ अहमद उस्मानी

डेगाना। डेगाना शहर की ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक धरोहर मानी जाने वाली केरवालिया नाड़ी को बचाने के लिए चल रहा धरना-प्रदर्शन आखिरकार सफल रहा। सोमवार देर शाम प्रशासन और आंदोलनकारियों के बीच हुई वार्ता के बाद धरना समाप्त कर दिया गया। उपखंड अधिकारी मोहन चौधरी स्वयं धरना स्थल पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों को मानते हुए आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इसके बाद आंदोलनकारियों एवं शहरवासियों ने प्रशासन का आभार व्यक्त किया। धरना समाप्त होने के अगले ही दिन मंगलवार सुबह नगरपालिका प्रशासन हरकत में आया और केरवालिया नाड़ी में गंदा पानी पहुंचाने के लिए खोदे गए नाले को जेसीबी मशीन की सहायता से मिट्टी डालकर बंद कर दिया गया। नाला बंद होते ही "केरवालिया नाड़ी बचाओ अभियान" से जुड़े लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। लोगों ने इसे जनएकजुटता, संघर्ष और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ी जीत बताया। उपखंड अधिकारी मोहन चौधरी ने कहा कि केरवालिया नाड़ी में शहर का गंदा पानी जाने से रोकने के लिए तत्काल प्रभाव से कार्रवाई शुरू कर दी गई है। भविष्य में भी नाड़ी को प्रदूषण से बचाने तथा उसकी प्राकृतिक स्थिति बनाए रखने के लिए प्रशासन आवश्यक कदम उठाएगा। अभियान का नेतृत्व कर रहे युवा नेता मंशी राम खिलेरी ने बताया कि प्रशासन ने नाड़ी क्षेत्र के संरक्षण और सौंदर्यीकरण को लेकर भी सकारात्मक आश्वासन दिया है। आगामी बारिश के मौसम में केरवालिया नाड़ी के चारों ओर बड़े स्तर पर वृक्षारोपण कराया जाएगा, जिससे पर्यावरण संतुलन कायम रहे और क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता सुरक्षित बनी रहे। साथ ही पशु-पक्षियों के लिए बनी खेलियों की मरम्मत करवाने का भरोसा भी प्रशासन द्वारा दिया गया है।

भामाशाहों के सहयोग से बदली मेड़ता रोड चिकित्सालय की तस्वीर

लोकतंत्र कि शानः एजाज़ अहमद उस्मानी

» डॉ. विजय कुमार शर्मा की सेवा, संवेदनशीलता और दूरदर्शिता बनी जनहित की मिसाल

सरकारी अस्पतालों को लेकर आमजन के मन में अक्सर अव्यवस्थाओं, संसाधनों की कमी और सुविधाओं के अभाव जैसी धारणाएं बनी रहती हैं, लेकिन मेड़ता रोड का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इन धारणाओं को बदलने का कार्य कर रहा है। यहां चिकित्सक डॉ. विजय कुमार शर्मा की पहल, सकारात्मक सोच और जनसहयोग की भावना ने अस्पताल की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल दी हैं। डॉ. विजय कुमार शर्मा ने यह साबित कर दिया कि यदि किसी संस्था को बेहतर बनाने की सच्ची इच्छा हो, तो समाज भी कदम से कदम मिलाकर साथ खड़ा हो जाता है। उन्होंने अस्पताल की आवश्यकताओं को केवल सरकारी संसाधनों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि क्षेत्र के भामाशाहों, समाजसेवियों और जनप्रतिनिधियों को जनहित के इस अभियान से जोड़ते हुए अस्पताल विकास की नई मिसाल कायम की।

आने वालें समय में राजस्थान को मिलेगी 200 नई ट्रेनों की सौगातः राजस्थान में रेल इंफ्रास्ट्रक्चर का कायाकल्प

» स्टेशनों पर पिट लाइनों के विकास से ट्रेनों की संख्या होगी दोगुनी

लोकतंत्र कि शानः मेड़ता रोड : एजाज़ अहमद उस्मानी

राजस्थान में रेलवे की आधारभूत संरचना को आधुनिक, सुदृढ़ एवं यात्री-केंद्रित बनाने की दिशा में प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर पिट लाइनों, कोचिंग टर्मिनलों, यार्ड आधुनिकीकरण, दोहरीकरण, नये परीक्षण, ट्रेक की गति में वृद्धि एवं स्टेशन पुनर्विकास जैसे अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। ट्रेनों के रखरखाव, धुलाई, निरीक्षण और तकनीकी परीक्षण की क्षमता में वृद्धि से न केवल परिचालन दक्षता बढेगी, बल्कि उत्तर पश्चिम रेलवे परिक्षेत्र में रेल यातायात वृद्धि और समग्र अवसंरचना विकास के लिए नए रास्ते भी खुलेंगे। केंद्रीय रेलमंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने जालोर रेलवे स्टेशन पर आजादी के बाद पहली बार जालोर को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से जोड़ने वाली सीधी नई रेलसेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के अवसर पर बताया कि आगामी समय में राजस्थान सें 200 से अधिक नई ट्रेनों के संचालन की क्षमता विकसित की जा रही है। राजस्थान में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के चलते नई ट्रेनों की संचालन क्षमता विकसित करने हेतु प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर पिट लाइनों, कोचिंग टर्मिनलों, यार्ड आधुनिकीकरण, दोहरीकरण, नये परीक्षण, ट्रेक की गति में वृद्धि एवं स्टेशन पुनर्विकास जैसे अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। राजस्थान में नई एवं विस्तारित रेल सेवाओं के संचालन से सीमावर्ती क्षेत्रों, ग्रामीण अंचलों तथा औद्योगिक क्षेत्रों को विशेष लाभ मिलेगा।

जिला पंजीयन कार्यालय के सामने सड़क पर टू व्हीलर खड़े होने की वजह से निकलने वाले वहां से कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है। स्टैंड की आवश्यकता है

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी जिला पंजीयन कार्यालय के सामने अमकुही फक्ट्री को जाने वाले वाले मार्ग से निकलने वाले वहन एवं एसडीएम कार्यालय और तहसील कार्यालय के लिए के लिए भी वहां रास्ता जाते हैं रास्ते मोड पर टू व्हीलर खड़े हो जाने केवजह से निकलने वाले वाहन को समस्या का सामना करना पड़ता है पूर्व भी बड़े वाहन निकलते थे जो जिला प्रशासन के द्वारा बंद कर दिया गया लेकिन यहां गुजरने वाले यह वहां से कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है रास्ते में खड़े टू व्हीलर, सर्विस प्रोवाइडर के बाजू में स्टैंड घोषित कर यहां पर स्टैंड में गाड़ी खडी होती यदि स्टैंड हो जाता है तो बड़ी दुर्घटना होने से बचा जा सकता है यहां पर अवैध रूप से टपरे रखे हुए हैं जो पूर्व में तहसीलदार ने कार्रवाई की थी फिर से यहां दोबारा अतिक्रमण हो जाने की वजह आने वाले व्यक्ति को रोड मे खड़ा यदि स्टैंड हो जाए यह दुर्घटना होने से जिला प्रशासन को चाहिए जैसे बड़ी गाड़ी को आने जाने रोक लगी है इस तरह यहां पर टू व्हीलर स्टैंड बना देने से बड़ी दुर्घटना से बचा जा सकता है आसपास से रजिस्ट्री करानै के लिए आते हैं जगह न होने कि वजह से रोड में वाहन खड़ा कर देते हैं जिससे कोई दुर्घटना हो सकती है ईश्वर ध्यान देते हुए स्टैंड की व्यवस्था और अतिक्रमण को हटाया जाए।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के दो दो दिवसीय दौरे पर यूरोपीय देशों के राजदूतों का प्रतिनिधिमंडल काठमांडू पहुंचा

काठमांडू। भारत में यूरोपीय संघ (ईयू) के सदस्य देशों के राजदूतों और उप मिशन प्रमुखों सहित 23 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल नेपाल दौरे पर आया है। इस उच्चस्तरीय दो दिवसीय यात्रा का उद्देश्य बालेन्द्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार के साथ संबंधों को मजबूत करना बताया गया है। नेपाल में यूरोपीय संघ की आवासीय राजदूत वेरोनिक लोरेंजो के नेतृत्व में यह प्रतिनिधिमंडल 26 मई से नेपाल भ्रमण पर है। ईयू ने इसे "नई बालेन्द्र शाह सरकार से मुलाकात और नेपाल–ईयू के मजबूत संबंधों की पुनः पुष्टि का अवसर" बताया है। इस प्रतिनिधिमंडल की प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह, विदेश मंत्री शिशिर खनाल, संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मंत्री खडग राज पौडेल और शिक्षा, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्री सस्मित पोखरेल के साथ वार्ता होनी है। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के साथ यूरोपीय यूनियन के गैर आवासीय राजदूतों के साथ यह बैठक अप्रैल 8 को काठमांडू स्थित विभिन्न देशों के आवासीय राजदूतों के सामूहिक सम्मेलन के बाद दूसरी औपचारिक मुलाकात होगी। राजदूत लोरेंजो ने कहा, "यह मिशन नेपाल के प्रति यूरोपीय संघ की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम नई सरकार को बधाई देने, नेपाल की विकास प्राथमिकताओं के प्रति अपने समर्थन को दोहराने और व्यापार, निवेश, जलवायु कार्रवाई तथा बहुपक्षीय मुद्दों सहित सहयोग के नए अवसर तलाशने आए हैं। नेपाल स्थित यूरोपीय यूनियन प्रतिनिधि के बयान में कहा गया कि यूरोपीय संघ "नेपाल के सबसे बड़े और विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय साझेदारों में से एक" है।

दक्षिण कोरिया का दावा- उत्तर कोरिया ने समुद्र की ओर अज्ञात प्रक्षेपास्त्र दागा

सियोल (दक्षिण कोरिया)। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा है कि उत्तर कोरिया ने मंगलवार को अपने पश्चिमी तट से एक अज्ञात प्रक्षेपास्त्र समुद्र की ओर दागा। उत्तर कोरिया इससे पहले 19 अप्रैल को एक और प्रक्षेपण कर चुका है। तब वह कम दूरी के कई प्रक्षेपास्त्र दाग चुका है। द कोरिया टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि उत्तर कोरिया ने दोपहर लगभग एक बजे उत्तरी प्योंग्यान प्रांत के जोंगजू क्षेत्र से पश्चिमी सागर की ओर कई निकट श्रेणी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। उत्तर कोरिया का इस वर्ष यह आठवां मिसाइल प्रक्षेपण है। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के अनुसार मिसाइलें लगभग 80 किलोमीटर की दूरी तक गईं। दक्षिण कोरिया इन मिसाइलों की मारक क्षमता का विश्लेषण कर रहा है। उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरिया संभावित आगे के प्रक्षेपणों की तैयारी में निगरानी और सर्वेक्षण बढ़ा रहा है। अमेरिका और जापान को उत्तर कोरिया के ताजा कदमों की जानकारी दी जा रही है। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता पार्क इल ने नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा, "हम उत्तर कोरिया से एक बार फिर शांति नीति अपनाने और तनाव कम करने के प्रयासों का जवाब देने का आह्वान करते हैं।" उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरिया परमाणु अप्रसार नीति का दृढ़ता से समर्थन करता है। सरकार का लक्ष्य कोरियाई प्रायद्वीप में पूर्ण परमाणु निशस्त्रीकरण का है। उल्लेखनीय है कि उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन 2019 में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ परमाणु कूटनीति के विफल होने के बाद से अपने परमाणु और प्रक्षेपास्त्र भंडार के विस्तार पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बार-बार किम के साथ वार्ता करने की इच्छा जताई है, लेकिन उत्तर कोरिया ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

तमिलनाडु की थिरुवरुर बाइपास परियोजना को मंजूरी, 1427 करोड़ रुपये होंगे खर्च

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि तमिलनाडु में राष्ट्रीय राजमार्ग-83 के नागपट्टिनम-तंजावुर खंड पर 14.9 किलोमीटर लंबे चार लेन थिरुवरुर बाइपास निर्माण परियोजना को मंजूरी दे दी गई है। इस परियोजना पर 1,427.61 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। गडकरी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि परियोजना के तहत एनएच-129ए और एनएच-134ए पर दो अतिरिक्त रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का भी निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह रणनीतिक परियोजना तिरुचिरापल्ली और कोयंबटूर जैसे प्रमुख औद्योगिक केंद्रों को कराईकल और नागपट्टिनम जैसे बंदरगाह शहरों से बेहतर तरीके से जोड़ेगी, जिससे क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। मंत्री के अनुसार, बाइपास परियोजना आदियक्कामंगलम-थंडालाई से शुरू होकर अथिपुलियूर, अंडिपालयम, किदारामकोंडन, पल्लीवरमंगलम, पेरुम्पुगलूर, इलावंगारकुडी और अनाइवदापथी कॉलोनी सहित कई प्रमुख क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। उन्होंने कहा कि परियोजना पूरी होने के बाद तिरुवरुर शहर में यातायात का दबाव काफी कम होगा, यात्रा समय में लगभग 15 मिनट की कमी आएगी और घनी आबादी तथा व्यावसायिक क्षेत्रों से ट्रैफिक हटने के कारण सड़क सुरक्षा भी बेहतर होगी। गडकरी ने बताया कि इस नए मार्ग से स्टेट हाईवे-23 और स्टेट हाईवे-65 के साथ-साथ प्रसिद्ध त्यागराज स्वामी मंदिर तक संपर्क बेहतर होगा, जिससे क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास और आवागमन में सुविधा को बढ़ावा मिलेगा।

मालदा में सड़क अवरोध और न्यायिक अधिकारियों की हिरासत मामले में 15 आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में पिछले महीने यातायात बाधित करने और न्यायिक अधिकारियों की अवैध हिरासत के मामलों में 15 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें 12 आरोपित एक महिला न्यायिक अधिकारी को लगभग आठ घंटे तक सड़क पर रोक कर रखने में शामिल थे, जबकि तीन अन्य ने मोथाबाड़ी ब्लॉक के बागमारा पुल पर सड़क जाम किया था। एनआईए ने यह कार्रवाई चुनाव आयोग के निर्देश पर की, जब सर्वोच्च न्यायालय ने इन घटनाओं पर स्वतः संज्ञान लिया था। एजेंसी ने सोमवार को मालदा जिले में विशेष अभियान चलाकर सभी आरोपितों को पकड़ा। जांच में सामने आया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान न्यायिक अधिकारियों को निशाना बनाया गया। प्रदर्शनकारियों ने पहले हैबतौला-अमलितौला मार्ग पर महिला न्यायिक अधिकारी को घंटों तक बंधक बनाए रखा। इसके बाद बागमारा पुल पर सड़क अवरोध कर यातायात बाधित किया गया। इन घटनाओं को चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने और न्यायिक अधिकारियों को डराने की सुनियोजित कोशिश माना जा रहा है। गिरफ्तार मुख्य आरोपितों में जोशिम शेख, असमाउल शेख, आलमगीर शेख, नुरुल इस्लाम और हबीबुर रहमान शामिल हैं। एनआईए ने बताया कि अन्य आरोपितों की तलाश जारी है। एजेंसी इन घटनाओं के पीछे की साजिश तथा न्यायिक अधिकारियों की हिरासत के मकसद को उजागर करने की कोशिश कर रही है।

सरकार ने पीएम-वानी में किए सुधार, लैपटॉप के लिए क्यूआर लॉगिन,मानकीकृत हॉटस्पॉट होंगे लागू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री वाई-फाई एक्सेस नेटवर्क इंटरफेस (पीएम-वानी) ढांचे में बदलाव करते हुए लैपटॉप और अन्य उपकरणों के लिए क्यूआर आधारित लॉगिन, 15, 30 और 60 मिनट की लचीली अल्पकालिक योजनाएं तथा पीएम-वानी हॉटस्पॉट नामों का मानकीकरण शामिल किया है। संचार मंत्रालय ने 22 मई को जारी परिपत्रों के माध्यम से इन सुधारों को लागू किया है। सभी हितधारकों को आठ सप्ताह के भीतर संशोधित दिशा-निर्देश लागू करने के लिए कहा गया है ताकि जुलाई तक नए नागरिक-हितैषी फीचर पूरे पारिस्थितिकी तंत्र में सक्रिय हो जाएं। मंत्रालय ने बताया कि इसका उद्देश्य पहुंच, अंतःक्रियाशीलता, उपयोग में सरलता और नागरिक अपनाने को बढ़ाना है। संचार और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने हाल ही में विभागीय अधिकारियों और हितधारकों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठकें कीं ताकि कार्यान्वयन तेज हो और उपयोगकर्ता अनुभव बेहतर हो।

खुदाई के दौरान कुआं धंसने से मलबे में दबे 5 मजदूरों की मौत

एजेंसी, पन्ना

♦ मृतकों में तीन मजदूर एक ही परिवार के हैं

मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के अजयगढ़ विकासखंड में ग्राम बीहरपुरवा के नयापुरवा में मंगलवार को एक खेत पर कुएं की खुदाई के दौरान अचानक मिट्टी धंस गई। इस हादसे में मलबे में दबे पांच मजदूरों की मौत हो गई। मृतकों में तीन मजदूर एक ही परिवार के हैं। ग्राम बीहरपुरवा के नयापुरवा निवासी बिन्नू अहिरवार के खेत पर लगभग 10 दिनों से सात मजदूर कुएं की खुदाई का काम कर रहे थे। मंगलवार को सुबह करीब 10 बजे दो मजदूर पानी पीने के लिए कुएं से बाहर निकलकर ऊपर आए थे। उनके ऊपर पहुंचते ही कुएं की कमजोर और गीली मिट्टी अचानक भरभरा कर नीचे ढह गई। इससे कुएं के भीतर गहराई में काम कर रहे पांच मजदूर मलबे के नीचे पूरी तरह दब गए।

ग्रामीणों ने तुरंत प्रशासन को सूचना दी और जेसीबी मंगाकर मजदूरों को निकालने की कोशिश की। सूचना मिलने पर पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। बचाव दल ने काफी मशक्कत के बाद पांचों मजदूरों के शव एक के बाद बाहर निकाल लिए और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिए।

मृतकों के नाम आशीष यादव, राजकुमार यादव, रामपाल यादव, चुन्नू यादव और चुनवाद पाल बताए गए हैं। इनमें आशीष, राजकुमार, रामपाल और चुन्नू यादव एक ही परिवार के सदस्य हैं।

जिला प्रशासन ने जनसम्पर्क पोर्टल पर हादसे की जानकारी साझा की है। प्रशासन ने कहा कि पन्ना जिले के अजयगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत बीहरपुरवा के नयापुरवा में मंगलवार को ग्राम पंचायत द्वारा निर्माणाधीन कुआं की मिट्टी धसकने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में पांच व्यक्तियों की मृत्यु हुई है, जबकि दो व्यक्ति सकुशल बाहर निकल आए। हादसे के बाद एसडीईआरएफ की टीम द्वारा राहत एवं बचाव अभियान चलाकर शव निकाले। इस दौरान मौका स्थल पर पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की टीम मौजूद रही।

हालांकि, मृतकों के परिजन का आरोप है कि हादसे के 3 घंटे के बाद भी प्रशासनिक अधिकारी या कोई सरकारी टीम मौके पर नहीं पहुंची। ग्रामीणों ने जेसीबी मंगाकर खुद रेस्क्यू अभियान चलाया। इसी देरी की वजह से मजदूरों को बचाया नहीं जा सका।

ढाई सौ करोड़ के ड्रग्स तस्करी मामले में तमिलनाडु में ईडी की छापेमारी

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने समुद्री मार्ग से श्रीलंका तक हशीश (एक प्रकार का मादक पदार्थ) और मेथामफेटामाइन (आईस ड्रग्स) की तस्करी करने वाले गिरोह के खिलाफ चेन्नई और मदुरै में पांच स्थानों पर छापेमारी की। जांच में करीब 258 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थों की तस्करी का मामला सामने आया है। ईडी ने बताया कि मामला राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) द्वारा जॉन ब्रिट्टो और अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज दो आपराधिक मामलों पर आधारित है। इन मामलों में एनडीपीएस अधिनियम और सीमा शुल्क अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई थी।

जांच एजेंसी के अनुसार, गिरोह समुद्री रास्ते से श्रीलंका में बड़ी मात्रा में हशीश और मेथामफेटामाइन की तस्करी करता था। हशीश कैनाबिस यानी गांजा से तैयार किया जाने वाला मादक पदार्थ है। ईडी के मुताबिक, गिरोह ने 99 किलोग्राम हशीश (अनुमानित बाजार कीमत करीब 108 करोड़ रुपये) तथा 37.5 किलोग्राम मेथामफेटामाइन (अनुमानित कीमत करीब 150 करोड़ रुपये) की तस्करी की कोशिश की। ईडी ने बताया कि भारतीय तटरक्षक बल से प्राप्त सूचना के आधार पर डीआरआई, मदुरै ने 5 मार्च 2024 को मन्नार की खाड़ी के गहरे समुद्री क्षेत्र में एक मछली पकड़ने वाली नाव से 99 किलोग्राम हशीश बरामद की थी। इस मामले में रामिश, जेनसन और प्रताप नामक तीन आरोपित पकड़े गए थे। जांच में सामने आया कि ये लोग जॉन ब्रिट्टो के निर्देश पर मादक पदार्थों को अवैध रूप से श्रीलंका पहुंचाने की कोशिश कर रहे थे। एक अन्य मामले में डीआरआई ने 1 मार्च 2024 को मदुरै रेलवे स्टेशन पर फिलोमेन प्रकाश नामक व्यक्ति को 37.645 किलोग्राम मेथामफेटामाइन के साथ पकड़ा था। एजेंसी को संदेह है कि यह खेप भी श्रीलंका भेजी जानी थी।

ईडी के अनुसार, जांच में जॉन ब्रिट्टो को पूरे गिरोह का मुख्य सरगना पाया गया। वह पहले भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है।

अब सीएनजी की कीमत बढ़ी, दिल्ली में हुई प्रति किलोग्राम 83.09 रुपये

एजेंसी, नई दिल्ली

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि के ठीक एक दिन बाद आज सीएनजी की कीमत में इजाफा किया गया है। आज से सीएनजी की दर 2 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ा दी गई है। 15 मई के बाद यह चौथी बढ़ोतरी है। इस बदलाव से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सीएनजी की कीमत अब 83.09 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है।

इससे पहले सीएनजी की कीमत में 15 मई को 2 रुपये, 18 मई को 1 रुपया, और 23 मई को 1 रुपया की बढ़ोतरी की गई थई। इसका असर सबसे अधिक दिल्ली-एनसीआर में देखने को मिल सकता है। यहां ऑटो, टैक्सी, स्कूल वैन और प्राइवेट कारों में सीएनजी का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है। ईंधन की कीमतों में लगातार वृद्धि से परिवहन लागत और घरेलू बजट पर दबाव बढ़ने की आशंका है

यह वृद्धि मध्य पूर्व में जारी तनाव के कारण देखने को मिल रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों का आवागमन प्रभावित है। मध्य पूर्व में ईरान और अमेरिका के बीच करीब 12 हफ्ते से टकराव जारी है। इस कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। कच्चे तेल की कीमतों में भी उछाल देखा जा रहा है। कल पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उछाल के बाद इस साल पहली बार कीमतें 100 रुपये के पार चली गईं।

भुवनेश्वर में 29 से 31 मई तक होगी अभाविप की राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद की बैठक

एजेंसी, भुवनेश्वर

♦ शिक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा, युवाओं की भूमिका और समसामयिक मुद्दों पर होंगे महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद बैठक 29 से 31 मई 2026 तक भुवनेश्वर स्थित शिक्षा 'ओ' अनुसंधान विश्वविद्यालय में आयोजित की जाएगी। इस महत्वपूर्ण बैठक में देशभर के विभिन्न राज्यों से 484 प्रतिनिधि कार्यकर्ता भाग लेंगे। इनमें अभाविप के राष्ट्रीय पदाधिकारी, विद्यार्थी नेतृत्वकर्ता, शिक्षाविद तथा संगठन के विभिन्न आयामों से जुड़े प्रतिनिधि शामिल होंगे। उक्त जानकारी अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने भुवनेश्वर में एक संवाददाता सम्मेलन में दी। बताया कि मुख्य बैठक से पूर्व 27 मई को केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक आयोजित होगी, जिसमें देशभर से 106 कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है। इसके बाद 28 मई को संगठन के विभिन्न आयामों, गतिविधियों और कार्य योजनाओं को लेकर विशेष बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें वर्षभर संचालित कार्यक्रमों, संगठन विस्तार, आगामी योजनाओं तथा विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे कार्यों की समीक्षा की जाएगी। डॉ. सोलंकी ने बताया कि खेल, कला, सेवा, पर्यावरण, शोध, चिकित्सा, कृषि, तकनीक, जनजातीय क्षेत्र तथा अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी संपर्क जैसे विषयों पर विशेष चर्चा होगी। इन क्षेत्रों में संगठन के कार्यों की समीक्षा के साथ आगामी विस्तार की दिशा भी तय की जाएगी। बैठक की पूर्व संध्या पर "नागरिक अभिनंदन समारोह" का आयोजन भी किया जाएगा। इस कार्यक्रम में अभाविप के वर्तमान एवं पूर्व कार्यकर्ताओं के अलावा शिक्षाविद, सामाजिक नेतृत्वकर्ता तथा विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्धजन शामिल होंगे। समारोह में ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद की बैठक में वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य, शिक्षा व्यवस्था, युवाओं की भूमिका, राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक और आर्थिक विषयों सहित कई समसामयिक मुद्दों पर व्यापक विचार-विमर्श होगा। इसके साथ ही 'अखिल भारतीय विचार बैठक 2025' की समीक्षा तथा 'संगठनात्मक विचार बैठक 2026' में लिए गए निर्णयों के क्रियान्वयन पर भी चर्चा की जाएगी। डॉ. सोलंकी ने कहा कि छात्रसंघ चुनावों को देशभर के सभी शैक्षणिक संस्थानों में नियमित रूप से कराने की मांग पर भी विशेष चर्चा होगी।

ओडिशा : कलाहांडी में सेप्टिक टैंक में दम घुटने से छह की मौत, एक गंभीर

एजेंसी, भुवनेश्वर

♦ स्थानीय ग्रामीणों और प्रशासन ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव अभियान चलाया

ओडिशा के कलाहांडी जिले के मदनपुर रामपुर क्षेत्र अंतर्गत गौड़ कार्लाखुंटा गांव में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे में सेप्टिक टैंक के अंदर दम घुटने से छह लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में मृत छह लोगों में निमाई चरण पाल पिता गंगाधर पाल, आकाश पाल पिता निमाई चरण पाल, आदल माझी पिता विष्णु माझी,बैकुंठ जाल पिता मधु जाल, मनोरंजन हाथी पिता धनसागर हाथी, छांद जाल पिता बलदेव जाल शामिल हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब निर्माणाधीन सेप्टिक टैंक के अंदर लगे सेंट्रिंग ढांचे को हटाने के लिए कुछ मजदूर टैंक में उतरे थे। इसी दौरान टैंक के भीतर जहरीली गैस और ऑक्सीजन की कमी के कारण वे बेहोश हो गए। उन्हें बचाने के प्रयास में एक के बाद एक अन्य लोग भी टैंक में उतरे, लेकिन वे भी दम घुटने से अचेत हो गए।

घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय ग्रामीणों और प्रशासन ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव अभियान चलाया और सभी लोगों को टैंक से बाहर निकाला। सभी को तत्काल मदनपुर रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने छह लोगों को मृत घोषित कर दिया।घायल व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसका इलाज जारी है।

इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे इलाके में शोकः की लहर फैल गई है। मदनपुर रामपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है।

मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये सहायता, मुख्यमंत्री ने जताया शोकः कलाहांडी जिले के मदनपुर रामपुर क्षेत्र में निर्माणाधीन स्थल पर हुए दर्दनाक हादसे में छह लोगों की मौत पर मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए मुख्यमंत्री राहत कोष से प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा गया कि यह घटना अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। सरकार प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है तथा हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

ग्रेट निकोबार परियोजना को लेकर कांग्रेस का केंद्र पर निशाना

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस के आदिवासी विभाग के अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने ग्रेट निकोबार परियोजना को लेकर कहा कि बड़े पैमाने पर जंगलों की कटाई से आदिवासी समाज और पर्यावरण दोनों पर असर पड़ेगा। यदि जंगल समाप्त हो गए तो आदिवासी संस्कृति और पहचान भी संकट में पड़ जाएगी। भूरिया ने मंगलवार को कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि सरकार एक ओर पेड़ लगाने वालों को सम्मानित करती है, जबकि दूसरी ओर बड़े स्तर पर जंगल काटे जा रहे हैं। आदिवासी संस्कृति को बचाने के लिए जंगल और जमीन को बचाना जरूरी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि ग्रेट निकोबार परियोजना के तहत अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई की जाएगी। वहां रहने वाली शोम्पेन जनजाति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह समुदाय बेहद सीमित संख्या में बचा है और परियोजना का असर उन पर भी पड़ सकता है। भूरिया ने कहा कि ग्रेट निकोबार को यूनेस्को ने बायोस्फीयर रिजर्व घोषित किया है। इसके बावजूद वहां बड़े स्तर पर निर्माण और आबादी बसाने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान आबादी की तुलना में कहीं अधिक लोगों को वहां बसाने की तैयारी की जा रही है।

उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील है। ऐसे में बड़े पैमाने पर निर्माण गतिविधियां चिंता का विषय हैं। अंडमान-निकोबार क्षेत्र पर्यावरण और मानसून प्रणाली के लिए भी महत्वपूर्ण माना जाता है।

निवेशकों की मदद के लिए सहायता पोर्टल का शुभारंभ

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तत्वावधान में इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) ने वैश्विक, घरेलू निवेशकों और उद्योग जगत के दिग्गजों की मदद के लिए एक विशेष निवेशक सहायता ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया है।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार सरकार देश में एक मजबूत, विश्वसनीय और टिकाऊ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में आईएसएम ने वैश्विक व घरेलू निवेशकों और उद्योग जगत के दिग्गजों की मदद के लिए एक विशेष निवेशक सहायता ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया है। यह पोर्टल अब वेबसाइट आईएसएम डॉट जीओवी डॉट इन स्लैशइन्वेस्टमेंट पर लाइव हो चुका है।

इस डिजिटल प्लेटफॉर्म को मुख्य रूप से निवेशकों का विश्वास बढ़ाने और भारत में निवेश की प्रक्रियाओं को आसान बनाने के लिए तैयार किया गया है। भारत में निवेश के इच्छुक निवेशकों को अब सरकारी योजनाओं, नीतियों, स्वीकृत परियोजनाओं और विनियामक आवश्यकताओं से जुड़ी हर जानकारी एक ही पोर्टल पर मिल जाएगी।

विष्णु देव साय बोले-प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी और जनकेंद्रित नेतृत्व में देश ने नए युग में प्रवेश किया

एजेंसी, रायपुर

♦ प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'प्रधान सेवक' के रूप में राष्ट्रसेवा, सुशासन और जनकल्याण को समर्पित सफल 12 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई और अभिनंदन व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी, निर्णायक और जनकेंद्रित नेतृत्व में देश ने सेवा, सुरक्षा, आत्मविश्वास और विकास के नए युग में प्रवेश किया है। मुख्यमंत्री साय ने आज मंगलवार को सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि बीते 12 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने शासन की सोच और कार्यशैली को बदलते हुए सेवा, सुशासन और अंत्योदय की भावना को केंद्र में रखा तथा यह सुनिश्चित किया कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि गरीब, किसान, महिला, युवा, वंचित और जनजातीय समाज के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का जो संकल्प प्रधानमंत्री ने लिया, वह आज देश के कोने-कोने में दिखाई देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज भारत आत्मविश्वास, सुरक्षा और वैश्विक प्रतिष्ठा के नए आयाम स्थापित कर रहा है। मजबूत अर्थव्यवस्था, आधुनिक अधोसंरचना, डिजिटल क्रांति, आत्मनिर्भरता, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक समावेशन की दिशा में देश ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विकसित भारत/2047 का संकल्प आज जनभागीदारी और विश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व विशेष रूप से प्रेरणादायी रहा है। दशकों तक नक्सल हिंसा से प्रभावित रहे बस्तर और वनांचल क्षेत्रों में आज विकास, विश्वास और जनकल्याण की नई धारा दिखाई दे रही है। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, मोबाइल कनेक्टिविटी, बैंकिंग सुविधाओं और शासकीय योजनाओं की पहुँच दूरस्थ जनजातीय अंचलों तक सुनिश्चित हुई है, जिससे लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, हर घर जल, जन-धन योजना और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने गरीबों, किसानों, मातृशक्ति, युवाओं तथा जनजातीय समाज के जीवन में आशा, सम्मान और आत्मविश्वास का नया संचार किया है। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की प्रधानमंत्री की सोच ने शासन को अधिक संवेदनशील और जवाबदेह बनाया है।

दिल्ली में क्वॉड का मंथन आगाज़ -बैठे चार यार क्या अब रुक जाएगा वार?- चीन एशियाई नाटो जैसी संज्ञा क्यों देता हैं? आतंकवाद के खिलाफ़ जीरो टॉलरेंस की नीति को दोहराना बैठक का महत्वपूर्ण संदेश

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

» भारतीय अध्यक्षता में संपन्न क्वॉड शिखर सम्मेलन 26 मई 2026 -इंडो-पैसिफिक से मिडिल ईस्ट तक बदलती वैश्विक रणनीति का नया संकेत

» क्वॉड अब केवल एक संवाद मंच नहीं, वैश्विक रणनीतिक स्थिरता, समुद्री सुरक्षा,तकनीकी सहयोग और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बचाने वाला प्रभावशाली समूह बना -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर नई दिल्ली में 26 मई 2026 को संपन्न हुई, क्वॉड विदेश मंत्रियों की बैठक केवल एक कूटनीतिक औपचारिकता नहीं थी,बल्कि तेजी से बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन के बीच चार प्रमुख लोकतांत्रिक शक्तियों, भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का रणनीतिक मंथन थी। ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया में युद्ध और तनाव ने पूरी दुनियाँ की ऊर्जा सुरक्षा,समुद्री व्यापार और सप्लाई चेन को अस्थिर कर दिया है,वहीं हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता, समुद्री विस्तारवाद और भू- राजनीतिक प्रतिस्पर्धा ने वैश्विक शक्तियों की चिंताओं को और गहरा कर दिया है। इसी पृष्ठभूमि में दिल्ली में बैठे चार यार केवल बयान देने नहीं, बल्कि भविष्य की विश्व-व्यवस्था के नए समीकरण तय करने के लिए एक मंच पर दिखाई दिए। भारतीय विदेश मंत्री की अध्यक्षता में हुई इस बैठक और संयुक्त प्रेस वार्ता ने स्पष्ट संकेत दिया कि क्वॉड अब केवल एक संवाद मंच नहीं,बल्कि वैश्विक रणनीतिक स्थिरता, समुद्री सुरक्षा, तकनीकी सहयोग और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बचाने वाला प्रभावशाली समूह बन चुका है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव, अमेरिकी सैन्य गतिविधियों, ऊर्जा संकट की आशंकाओं और इंडो- पैसिफिक में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच दिल्ली में हुआ यह मंथन आने वाले समय की वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाला बहुत महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। साथियों भारत की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मेलन में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो,ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी की उपस्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया कि क्वॉड देशों के बीच रणनीतिक समन्वय अब पहले से कहीं अधिक मजबूत हो चुका है। यह बैठक ऐसे समय हुई जब पूरी दुनियाँ पश्चिम एशिया की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। ईरान से जुड़े घटनाक्रम, अमेरिकी सैन्य सक्रियता और ऊर्जा आपूर्ति मार्गों पर बढ़ते खतरे ने वैश्विक आर्थिक अस्थिरता की आशंकाओं को बढ़ा दिया है।ऐसे में नई दिल्ली की यह बैठक केवल इंडो- पैसिफिक तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें वैश्विक भू - राजनीतिक चुनौतियों और आर्थिक सुरक्षा के व्यापक पहलुओं पर भी विचार हुआ।भारतीय विदेश मंत्री ने अपने उद्घाटन वक्तव्य में स्पष्ट कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक विकास और स्थिरता का मुख्य इंजन बन चुका है। उन्होंने इस क्षेत्र में स्वतंत्र,खुले और समावेशी वातावरण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार का दबाव,आक्रामकता या एकतरफा शक्ति-प्रदर्शन क्षेत्रीय संतुलन के लिए खतरा है।उन्होंने भरोसेमंद और पारदर्शी साझेदारी को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। उनका यह बयान अप्रत्यक्ष रूप से चीन की आक्रामक नीतियों और विस्तारवादी रणनीति की ओर संकेत माना गया। भारत ने साफ संदेश दिया कि वह इंडो-पैसिफिक में किसी भी प्रकार की अस्थिरता को स्वीकार नहीं करेगा और क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।क्वॉड बैठक का सबसे महत्वपूर्ण पहलू समुद्री सुरक्षा और फ्रीडम ऑफ नेविगेशन पर हुआ व्यापक विचार- विमर्श रहा। हिंद-प्रशांत क्षेत्र विश्व व्यापार का सबसे बड़ा समुद्री मार्ग है, जहां से वैश्विक व्यापार का बड़ा हिस्सा गुजरता है। दक्षिण चीन सागर से लेकर हिंद महासागर तक बढ़ती सैन्य गतिविधियों और सामरिक प्रतिस्पर्धा ने इन समुद्री मार्गों की सुरक्षा को अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बना दिया है। बैठक में इस बात पर सहमति बनी किअंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों का पालन सुनिश्चित किया जाए और किसी भी देश को एकतरफा तरीके से समुद्री नियंत्रण स्थापित करने की अनुमति न मिले। यह संदेश स्पष्ट रूप से चीन की समुद्री गतिविधियों और उसके बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने की दिशा में सटीकता से देखा जा रहा है। साथियों,बैठक में वैश्विकसप्लाई चेन की मजबूती पर भी विशेष जोर दिया गया। कोविड महामारी और उसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध तथा पश्चिम एशिया संकट ने यह साबित कर दिया कि दुनियाँ किसी एक देश या क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता का जोखिम नहीं उठा सकती। क्वॉड देशों ने महत्वपूर्णखनिजों यानी क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ सप्लाई चेन को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की।आधुनिक तकनीक, इलेक्ट्रिक वाहन, सेमीकंडक्टर और रक्षा उपकरणों के निर्माण में इन खनिजों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अभी तक इन क्षेत्रों में चीन का दबदबा माना जाता रहा है,लेकिन क्वॉड देशों की नई रणनीति का उद्देश्य वैकल्पिक आपूर्ति तंत्र विकसित करना है ताकि सटीकता से किसी एक देश पर निर्भरता कम हो सके। साथियों, भारत और अमेरिका के बीच क्रिटिकल मिनरल्स सप्लाई चेन को लेकर हुए समझौते को इस बैठक की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। यह समझौता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि रणनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत तेजी से उभरती हुई विनिर्माण शक्ति बनना चाहता है और इसके लिए उसे सुरक्षित तथा विश्वसनीय संसाधन आपूर्ति की आवश्यकता है। वहीं अमेरिका चीन पर निर्भरता कम करने की वैश्विक रणनीति पर काम कर रहा है। ऐसे में दोनों देशों के बीच यह सहयोग भविष्य में तकनीकी और औद्योगिक साझेदारी को नई ऊंचाई दे सकता है।उभरती हुई प्रौद्योगिकियों और साइबर सुरक्षा पर भी बैठक में व्यापक चर्चा हुई। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, साइबर डिफेंस और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर आज वैश्विक शक्ति संतुलन के नए उपकरण बन चुके हैं। क्वॉड देशों ने इन क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने और सुरक्षित तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने पर सहमति जताई। विशेष रूप से साइबर अपराध और डिजिटल जासूसी को लेकर साझा चिंता व्यक्त की गई। डिजिटल दुनिया में बढ़ते खतरों को देखते हुए यह सहयोग भविष्य में सामरिक सटिका से महत्व का आधार बन सकता है। साथियों,आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को दोहराना भी इस बैठक का महत्वपूर्ण संदेश रहा। क्वॉड देशों ने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार का आतंकवाद मानवता और वैश्विक स्थिरता के लिए खतरा है। भारत लंबे समय से सीमा पार आतंकवाद का मुद्दा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहा है और इस बार भी उसने आतंकवाद के खिलाफ कठोर वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। यह संदेश केवल क्षेत्रीय सुरक्षा तक सीमित नहीं था, बल्कि उन शक्तियों को भी संकेत था जो अप्रत्यक्ष रूप से आतंकवाद को समर्थन देती हैं।मिडिल ईस्ट यानी पश्चिम एशिया के हालात पर हुई चर्चा ने इस बैठक को और अधिक वैश्विक महत्व प्रदान किया। ईरान से जुड़े तनाव, अमेरिकी सैन्य हमलों और क्षेत्रीय संघर्षों ने वैश्विक तेल आपूर्ति और समुद्री व्यापार मार्गों को प्रभावित करने की आशंका पैदा कर दी है। क्वॉड देशों ने चिंता जताई कि यदि यह संकट और गहराया तो वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। ऊर्जा कीमतों में वृद्धि, सप्लाई चेन में बाधा और आर्थिक अस्थिरता पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकती है। यही कारण है कि दिल्ली बैठक में पश्चिम एशिया के मुद्दे पर विशेष ध्यान दिया गया। साथियों, बैठक में यह भी स्पष्ट हुआ कि क्वॉड अब केवल सुरक्षा सहयोग तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि आर्थिक, तकनीकी और रणनीतिक साझेदारी के व्यापक ढांचे में विकसित हो रहा है। यह समूह एक ऐसे वैकल्पिक वैश्विक सहयोग मॉडल के रूप में उभर रहा है जो लोकतांत्रिक मूल्यों, पारदर्शिता और नियम-आधारित व्यवस्था पर आधारित है। क्वॉड की बढ़ती सक्रियता इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में वैश्विक शक्ति संतुलन बहुध्रुवीय स्वरूप की ओर बढ़ सकता है।हालांकि इस बार नेताओं का पूर्ण शिखर सम्मेलन आयोजित नहीं हो सका, लेकिन विदेश मंत्रियों की बैठक ने यह साबित कर दिया कि क्वॉड की गति धीमी नहीं हुई है। भारत ने औपचारिक रूप से क्वॉड की अध्यक्षता ऑस्ट्रेलिया को सौंप दी। यह हस्तांतरण केवल प्रक्रियात्मक नहीं, बल्कि सहयोग की निरंतरता का प्रतीक भी है। ऑस्ट्रेलिया की नई भूमिका आने वाले समय में इंडो- पैसिफिक रणनीति को और सक्रिय बना सकती है।भारत के लिए यह बैठक विशेष महत्व रखती है क्योंकि उसने एक बार फिर वैश्विक कूटनीति में अपनी केंद्रीय भूमिका को स्थापित किया है। नई दिल्ली अब केवल दक्षिण एशिया की राजनीतिक राजधानी नहीं, बल्कि वैश्विक रणनीतिक विमर्श का महत्वपूर्ण केंद्र बनती जा रही है। रूस- यूक्रेन युद्ध से लेकर पश्चिम एशिया संकट और इंडो- पैसिफिक सुरक्षा तक, भारत ने संतुलित और बहुआयामी कूटनीति का प्रदर्शन किया है। क्वॉड बैठक की सफल मेजबानी ने यह संदेश दिया कि भारत विश्व राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाने की क्षमता रखता है।क्वॉड को लेकर चीन की चिंताएं भी लगातार बढ़ती रही हैं। चीन लंबे समय से इस समूह को एशियाई नाटो जैसी संज्ञा देता रहा है, हालांकि क्वॉड देश लगातार यह कहते रहे हैं कि यह किसी के खिलाफ सैन्य गठबंधन नहीं है। फिर भी वास्तविकता यह है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती शक्ति और आक्रामक रणनीति ने क्वॉड को और अधिक प्रासंगिक बना दिया है। दक्षिण चीन सागर, ताइवान जलडमरूमध्य और हिंद महासागर में बढ़ती गतिविधियों ने क्षेत्रीय देशों को सामूहिक रणनीति अपनाने के लिए प्रेरित किया है।दिल्ली में हुई यह बैठक वैश्विक राजनीति के उस संक्रमण काल की झलक भी है जहां सुरक्षा, तकनीक, अर्थव्यवस्था और ऊर्जा एक-दूसरे से गहराई से जुड़ चुके हैं। अब युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जाते, बल्कि सप्लाई चेन, डेटा, साइबर स्पेस और समुद्री मार्गों पर भी शक्ति संघर्ष चल रहा है। क्वॉड की नई रणनीति इसी बदलती वैश्विक वास्तविकता को प्रतिबिंबित करती है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नई दिल्ली में संपन्न क्वॉड विदेश मंत्रियों की बैठक ने यह स्पष्ट कर दिया कि विश्व राजनीति एक नए मोड़ पर खड़ी है। इंडो -पैसिफिक की सुरक्षा, पश्चिम एशिया का संकट, ऊर्जा आपूर्ति,साइबर सुरक्षा, क्रिटिकल मिनरल्स और वैश्विक सप्लाई चेन जैसे मुद्दे अब अलग-अलग नहीं रहे। इन सभी चुनौतियों का समाधान सामूहिक सहयोग और भरोसेमंद साझेदारी में ही निहित है। दिल्ली में हुआ यह रणनीतिक मंथन आने वाले वर्षों की वैश्विक राजनीति का आधार बन सकता है। भारत की सक्रिय भूमिका,अमेरिका कीरणनीतिक प्राथमिकताएं, जापान की सुरक्षा चिंताएं और ऑस्ट्रेलिया की क्षेत्रीय भागीदारी मिलकर एक ऐसे नए वैश्विक ढांचे की ओर संकेत कर रही हैं जहां लोकतांत्रिक शक्तियां मिलकर विश्व व्यवस्था को संतुलित रखने की कोशिश कर रही हैं।

संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

कॉकरोचों के कंधों पर विरोधी सियासत की नापाक साजिश

लेखक- मनोज कुमार अग्रवाल

देश के मुख्य न्यायधीश जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी के बाद शुरू हुआ सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी अब युवाओं के लिए बड़ा आंदोलन शुरू करने की तैयारी में है। पार्टी ने खुद इस बात का ऐलान किया है। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 2 करोड़ से ज्यादा युवाओं को अपने साथ जोड़ने के बाद सीजेपी ने हाल ही में आने वाले दिनों के लिए रोडमैप जारी किया है। इसमें सीजेपी ने कहा है कि यह सिर्फ एक शुरुआत है और कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। इससे पहले इस मुहिम पर मुसीबतों की भी मार पड़ी है। पार्टी की वेबसाइट के खिलाफ एक्शन लिया गया है। वहीं सीजेपी के यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधियों की जांच का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में न्यायिक कार्यवाही के दुरुपयोग पर चिंता जताते हुए दावा किया गया है कि अदालत की कार्यवाही के दौरान की गई टिप्पणियों और विचारों का इस्तेमाल प्रचार के लिए किया जा रहा है। बता दें कि पिछले हफ्ते सीजेआइ सूर्यकांत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान बेरोजगार युवाओं की तुलना कथित तौर पर कॉकरोच से कर दी थी, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया।सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा था कि ऑनलाइन एक्टिविज्म की आड़ में व्यवस्था पर हमला करने वाले बेरोजगार युवा 'कॉकरोच' की तरह हैं। बाद में सीजेआई ने स्पष्ट किया था कि उनका इशारा फर्जी डिग्री रखने वाले लोगों की ओर था।सीजेपी के लिए समसामयिक खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका भी दायर हो गई है।सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक वकील ने जनहित याचिका दायर कर कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ मामले की जल्द सुनवाई करने की मांग की। हालांकि, सीजेआई सूर्यकांत ने वकील को मामले को भावनात्मक तरीके से न लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि उचित समय आने पर मामले की सुनवाई की जाएगी।याचिका पर सुनवाई के दौरान अधिवक्ता एन.के. गोस्वामी ने सीजेआई की तिलचट्टे वाली टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्य न्यायाधीश की ओर से स्पष्टीकरण दिए जाने के बावजूद न्यापालिका को बदनाम करने के लिए तथ्यों को तोड़-मरोड़कर और दुर्भावनापूर्ण तरीके से पेश किया जा रहा है। जनहित याचिका में निर्देश देने की मांग की गई है कि अदालत में होने वाली बातचीत का इस्तेमाल व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए न किया जाए और फर्जी वकीलों की डिग्रियों के मामले में सीबीआई जांच की जाए। इसी मामले पर एक अन्य जनहित याचिका में मुख्य न्यायाधीश की तिलचट्टे वाली टिप्पणी के बाद उभरे व्यंग्यात्मक ऑनलाइन अभियान कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधियों की सीबीआई जांच की मांग की गई है। आपको बता दें कॉकरोच जनता पार्टी एक व्यंग्यात्मक ऑनलाइन राजनीतिक आंदोलन है, जो मई 2026 में सोशल मीडिया पर एक मीम के रूप में शुरू हुआ और तेजी से वायरल हो गया। शुरुआत और संस्थापकः इसकी शुरुआत मूल रूप से महाराष्ट्र के रहने वाले और अमेरिका के बोस्टन में पढ़ रहे अभिजीत दीपके द्वारा की गई थी। वह पहले आम आदमी पार्टी के लिए सोशल मीडिया का काम भी कर चुके हैं। विवाद की वजहः मई 2026 में सुप्रीम कोर्ट में फर्जी डिग्री से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान, चीफ जस्टिस ने कथित तौर पर टिप्पणी की थी कि कुछ बेरोजगार युवा सिस्टम में कॉकरोच की तरह घुस जाते हैं। हालांकि, बाद में स्पष्ट किया गया कि यह टिप्पणी केवल फर्जी डिग्री धारकों के लिए थी, लेकिन सोशल मीडिया पर इसे बेरोजगार युवाओं के अपमान के रूप में लिया गया। सोशल मीडिया पर लोकप्रियताः इस टिप्पणी के बाद अभिजीत ने कॉकरोच जनता पार्टी नाम से अकाउंट बनाया। इसके तहत युवाओं, बेरोजगारों और सिस्टम से नाराज लोगों को एक साथ जोड़ने का अभियान चलाया गया, जिसके इंस्टाग्राम पर कुछ ही दिनों में करोड़ों फॉलोअर्स हो गए।कुछ ही दिनों में बड़ी तादाद फॉलोअर्स जुटाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी के सोशल मीडिया हैंडल बाद में निलंबित कर दिए गए। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने इस डिजिटल आंदोलन पर कार्रवाई का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि उनके सभी सोशल मीडिया अकाउंट और वेबसाइट को या तो हटा दिया गया है या उनसे छेड़छाड़ की गई है, जिससे समूह अपने किसी भी आधिकारिक प्लेटफॉर्म तक पहुंच नहीं पा रहा है।

मेड़ता सिटी की पुरानी जेल : इतिहास के पन्नों में दबा एक भूला-बिसरा अध्याय

एजाज़ अहमद उस्मानी की क़लम से

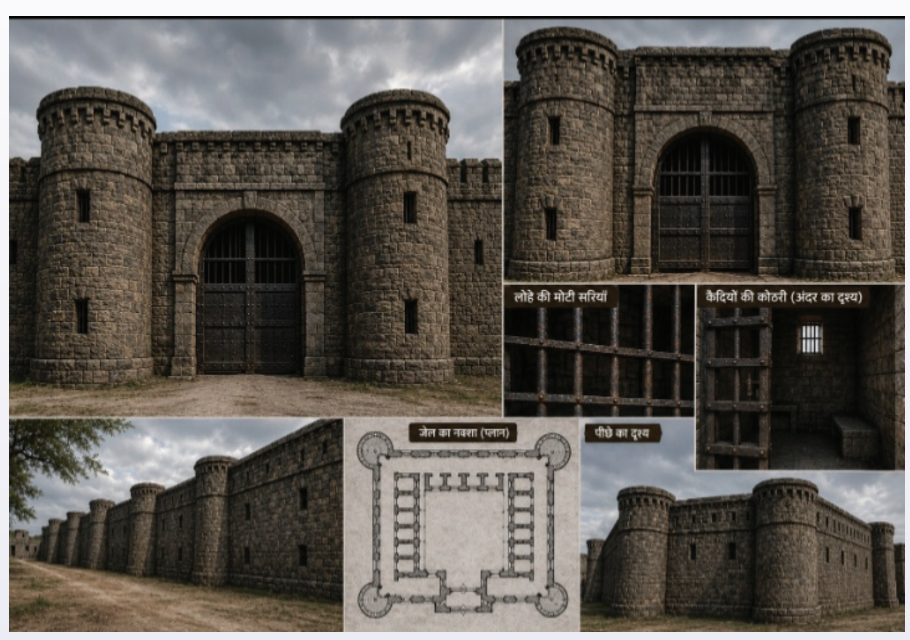

मेड़ता सिटी केवल संत शिरोमणि मीराबाई की जन्मस्थली के रूप में ही प्रसिद्ध नहीं रहा, बल्कि यह क्षेत्र कभी प्रशासनिक, न्यायिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता था। आज जिस मेड़ता सिटी को लोग धार्मिक और ऐतिहासिक नगरी के रूप में जानते हैं, वहां एक समय ऐसी उप-जेल (सब जेल) भी हुआ करती थी, जो आसपास के गांवों और कस्बों की कानून व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा मानी जाती थी। पुराने बुजुर्गों और स्थानीय इतिहास से जुड़ी जानकारियों के अनुसार, मेड़ता सिटी में यह जेल रियासतकाल के दौरान स्थापित की गई थी। उस समय पूरा क्षेत्र जोधपुर स्टेट के अधीन आता था और प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए अलग-अलग कस्बों में न्यायालय, कोतवाली और छोटी जेलों की व्यवस्था रखी जाती थी। मेड़ता उस दौर में व्यापारिक गतिविधियों, कृषि मंडियों और सामाजिक प्रभाव के कारण एक प्रमुख केंद्र माना जाता था। बताया जाता है कि मेड़ता की यह उप-जेल मुख्य रूप से छोटे अपराधों, आपसी विवादों, न्यायिक हिरासत और अल्पकालीन सजा पाए बंदियों के लिए उपयोग में ली जाती थी। गंभीर अपराधियों को बाद में बड़े कारागारों में भेज दिया जाता था। पुराने समय में पुलिस और न्यायिक व्यवस्था इतनी विकसित नहीं थी, इसलिए कस्बाई जेलों का विशेष महत्व हुआ करता था। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से गिरफ्तार व्यक्तियों को पहले मेड़ता लाया जाता और यहीं रखा जाता था। स्थानीय लोगों के अनुसार जेल का भवन मोटी पत्थर की दीवारों, चूने-मिट्टी की मजबूत संरचना और लोहे के भारी दरवाजों से बना हुआ था। जेल परिसर में छोटे-छोटे बंद कमरे, प्रहरी चौकी तथा कैदियों के लिए खुला आंगन हुआ करता था। उस दौर में जेलों में आधुनिक सुविधाएं नहीं थीं। कैदियों को साधारण भोजन दिया जाता और उनसे साफ-सफाई या अन्य हल्के कार्य भी करवाए जाते थे। बुजुर्ग बताते हैं कि उस समय जेल को लेकर लोगों में भय का माहौल रहता था। बच्चों को अनुशासन सिखाने के लिए परिवारों में कहा जाता था कि "गलत काम करोगे तो जेल जाना पड़ेगा।" उस दौर में जेल केवल अपराधियों को बंद रखने का स्थान नहीं बल्कि कानून व्यवस्था का प्रतीक मानी जाती थी। इतिहासकारों के अनुसार मेड़ता क्षेत्र का प्रशासनिक महत्व काफी पुराना रहा है। यहां राजस्व, न्यायिक और पुलिस व्यवस्था का संचालन रियासतकाल से होता आया था। यही कारण था कि यहां उप-जेल जैसी व्यवस्था भी स्थापित की गई थी। आजादी के बाद बदली व्यवस्था सन 1947 में देश आजाद होने के बाद राजस्थान में प्रशासनिक ढांचे में बड़े बदलाव शुरू हुए। धीरे-धीरे छोटी उप-जेलों की उपयोगिता कम होने लगी। सरकार ने जिला मुख्यालयों और बड़े शहरों में आधुनिक जेलों का विकास शुरू किया, जहां सुरक्षा, न्यायिक प्रक्रिया और बंदियों की निगरानी बेहतर तरीके से हो सके। इसी बदलाव के दौर में मेड़ता सिटी की पुरानी उप-जेल भी धीरे-धीरे निष्क्रिय होती चली गई। बताया जाता है कि बंदियों की संख्या कम होने लगी थी और भवन भी समय के साथ जर्जर हो चुका था। इसके बाद प्रशासन ने यहां बंदियों को रखने के बजाय उन्हें नागौर, जोधपुर तथा अन्य बड़े कारागारों में भेजना शुरू कर दिया। स्थानीय चर्चाओं के अनुसार, जेल बंद होने का एक कारण यह भी था कि नई सरकारी व्यवस्था में छोटे कस्बों की जेलों पर होने वाला खर्च अधिक माना जाने लगा था। सुरक्षा मानकों के अनुसार भी पुरानी जेलें उपयुक्त नहीं रह गई थीं। परिणामस्वरूप मेड़ता की उप-जेल को आधिकारिक रूप से बंद कर दिया गया।

अब केवल यादों में बची कहानी समय बीतने के साथ उस जेल का भवन या तो अन्य सरकारी उपयोग में ले लिया गया या उसका अधिकांश हिस्सा समाप्त हो गया। नई पीढ़ी को अब यह तक मालूम नहीं कि मेड़ता सिटी में कभी जेल भी हुआ करती थी। पुराने लोग आज भी उस स्थान और उससे जुड़ी घटनाओं का जिक्र करते दिखाई देते हैं। कई बुजुर्ग बताते हैं कि जेल के आसपास का इलाका लंबे समय तक लोगों के बीच "जेल वाला क्षेत्र" कहकर पहचाना जाता रहा। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि स्वतंत्रता आंदोलन के समय स्थानीय स्तर पर गिरफ्तार किए गए कुछ लोगों को भी यहां रखा गया था, हालांकि इसके लिखित प्रमाण बहुत कम उपलब्ध हैं।

इतिहास को सहेजने की जरूरत- मेड़ता सिटी का इतिहास केवल मीराबाई, मंदिरों और किलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां की पुरानी प्रशासनिक व्यवस्थाएं भी इस नगर की ऐतिहासिक पहचान का हिस्सा रही हैं। पुरानी जेल उसी विरासत का एक अध्याय है, जो समय के साथ धुंधला पड़ गया। आज जरूरत इस बात की है कि मेड़ता सिटी के पुराने भवनों, प्रशासनिक संरचनाओं और ऐतिहासिक स्थलों का दस्तावेजीकरण किया जाए ताकि आने वाली पीढ़ियां अपने शहर के इतिहास को समझ सकें। क्योंकि किसी भी शहर की पहचान केवल उसकी वर्तमान तस्वीर से नहीं, बल्कि उसके अतीत से भी बनती है। मेड़ता की यह पुरानी जेल भले ही आज अस्तित्व में नहीं हो, लेकिन यह इतिहास के उन शांत पन्नों में दर्ज है, जिन्होंने कभी इस शहर की प्रशासनिक व्यवस्था को जीवित रखा था।

विकास के साथ प्रकृति के विनाश की पटकथा लिख रहा मानव

सैयद इसरार हुसैन

वातावरण के प्रति संवेदनशील होना होगा

आजादी हमें मिली है, अर्थात मानव को; परंतु प्रकृति आजादी से अछूती रही। अमूमन हमारी मूलभूत आवश्यकताएँ रोटी, कपड़ा, मकान और जल थीं। इन्हीं आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए हमें उद्योग-धंधों का तीव्र गति से विकास करना पड़ा। मशीनें जितनी बड़ी होती गईं, आदमी उतना ही बौना होता गया। कृषि में नई-नई तकनीकों, ट्रैक्टरों, रासायनिक उर्वरकों तथा कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से भूमि बंजर होकर कराहने लगी। विकास का सही मायने मानवीय शक्तियों, ऊर्जा तथा सामर्थ्य का सही उपयोग करना है। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी, उद्योगों की चिमनियों को ऊँचा उठाया, मोबाइल क्रांति का बटन दबाया और ई-मेल के माध्यम से विश्व संदेशों को सुनना शुरू किया, तभी से हमारे झरनों का कल-कल स्वर और संगीत मानो बंद हो गया। पक्षियों का कलरव समाप्त हो गया और अब वे चीत्कार करते दिखाई देते हैं। नदी-नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त होती जा रही है तथा पानी दिन-प्रतिदिन अधिक खारा होता जा रहा है। अब हमें यह सोचना है कि विकास के नाम पर हमें "ग्रीन इंडिया" चाहिए या केवल इंटरनेट की सवारी करता "डिजिटल इंडिया"। क्या बच्चों की झोली में इंटरनेट डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए, या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए? क्या झरनों के किनारे बैठकर नौका-विहार का आनंद लेना चाहिए, या कंप्यूटर और मोबाइल स्क्रीन के सामने बैठकर नन्हे-मुन्नों की आँखों पर जोर डालकर उन्हें चश्माधारी बना देना चाहिए? हरा-भरा हिंदुस्तान अर्थात "ग्रीन इंडिया" और "डिजिटल इंडिया" का सपना नदी के दो ऐसे किनारों जैसा नहीं होना चाहिए जो कभी मिलते ही नहीं। विकास के नाम पर असीमित उद्योग-धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त होती जा रही है और हमारी वायु विषैली हो चुकी है। रात में शहरों के मकानों पर जगमगाती बिजली की झालरों के सामने आकाश के तारों की चमक फीकी पड़ गई है। जंगलों को हम ऐसे साफ करते गए मानो सड़कों पर रोड रोलर चला रहे हों। नगर बने, महानगर बने, मकान बने; किंतु घर कहीं खोते चले गए। हमें तब सुध आई जब "चिड़िया चुग गई खेत"। विकास के नाम पर हमें मानव सभ्यता से जुड़ी जमीन, पानी, हरियाली, पक्षी और जानवर — सब चाहिए; केवल अंधाधुंध कंक्रीट का विकास या इंटरनेट की रफ्तार नहीं। इसके लिए हमें संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश लगाना होगा। संसाधनों का उपयोग आवश्यकता के अनुसार होना चाहिए, अतिरेक में नहीं। महात्मा गांधी ने कहा था —

"पृथ्वी पर सभी की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त संसाधन हैं, किंतु मानव के लालच को पूरा करने के लिए नहीं।"

हमें प्राकृतिक परियोजनाओं तथा पारिस्थितिकी से जुड़ी योजनाओं का सम्मान करना होगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायोगैस तथा ज्वार-भाटा जैसी प्राकृतिक ऊर्जा के स्रोतों को अपनाना होगा। भारत की परिस्थितियाँ अत्यंत विषम हैं। एक ओर सोडियम लाइटों से नहाई दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु की रंगीन सड़कें हैं, ऊँची-ऊँची इमारतें हैं, तेज गति से दौड़ती मेट्रो है और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का आनंद लेते युवक-युवतियाँ हैं; वहीं दूसरी ओर पसीने से तर-बतर किसान हैं तथा कैरोसिन की चिमनी के नीचे बच्चों को कहानी सुनाती माताएँ हैं। इतनी डिजिटल विषमता शायद भारत के अलावा विश्व के किसी अन्य देश में देखने को नहीं मिलती। भारत में विकास के नाम पर डिजिटलीकरण आवश्यक है, परंतु गाँवों, जंगलों, नदियों और प्राकृतिक संसाधनों के विनाश की कीमत पर नहीं। हमें यह सिद्ध करना होगा कि भारत की हरित क्रांति और डिजिटल इंडिया दोनों मिलकर विकास की गति को आगे बढ़ा सकते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत की हरित क्रांति का विकास ही डिजिटल इंडिया के स्वप्न को भी साकार करेगा। यदि स्वच्छ जल, खनिज, यूरेनियम और थोरियम जैसे संसाधन ही नहीं बचेंगे, तो नाभिकीय रिएक्टरों की भट्टियाँ कैसे चलेंगी? किसी कवि ने ठीक ही कहा है — अतः विकास का जो भी रास्ता या नक्शा हम तैयार करेंगे, वह निश्चित रूप से हरित क्रांति और पर्यावरण संरक्षण से होकर गुजरना चाहिए। तभी हम अपनी 141 करोड़ जनसंख्या को स्वच्छ वातावरण दे पाएँगे और एक नए, समृद्ध तथा संतुलित भारत की कल्पना को साकार कर सकेंगे।

ऋतुराज-रहाणे ओपनर; सूर्यकुमार, पंत, बुमराह भी शामिल

लीग स्टेज के बाद IPL 2026 की सबसे खराब प्लेइंग 11

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के लीग स्टेज के मुकाबले समाप्त हो चुके हैं और इस दौरान ऐसे कई खिलाड़ी रहे जिन्होंने अपने नाम के हिसाब से प्रदर्शन नहीं किया और वो अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जूझते नजर आए। अगर इस सीजन के 70 लीग मैचों के बाद सबसे खराब प्लेइंग 11 की बात की जाए तो इसमें कई दिग्गजों के नाम शामिल हैं। जनसत्ता डॉट कॉम ने लीग स्टेज के बाद जिस सबसे खराब प्लेइंग 11 का चयन किया उसका कप्तान ऋषभ पंत को बनाया जिनकी कप्तानी में लखनऊ सुपर जायंट्स अंकतालिका में आखिरी स्थान पर रही।

ऋतुराज गायकवाड़ और अजिंक्य रहाणे ओपनर– इस सीजन के लीग स्टेज के बाद बात अगर सबसे खराब प्लेइंग 11 की हो तो उसमें ओपनिंग के लिए सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे सबसे फिट नजर आते हैं। ऋतुराज का बल्ला इस सीजन में खामोश रहा और इसकी वजह से सीएसके को नुकसान रहा जबकि रहाणे पावरप्ले में बड़ा स्कोर बनाने और रन गति को तेज रखने में पूरी तरह से नाकाम रहे। इस प्लेइंग 11 के लिए तीसरे नंबर पर सबसे फिट मुंबई के बैटर सूर्यकुमार यादव नजर आते हैं जिन्होंने बेहद खराब औसत से रन बनाए। चौथे स्थान पर ऋषभ पंत हैं जिनकी कप्तानी खराब रही साथ ही साथ वो रन भी नहीं बना पाए। वो अपनी भारी–भरकम (27 करोड़) रकम के मुताबिक प्रदर्शन करने में कामयाब नहीं रहे। इस लिस्ट में पांचवें स्थान पर निकोलस पूरन हैं जिन्होंने अपने प्रदर्शन से काफी निराश किया और पूरे सीजन उनका बल्ला नहीं चल पाया।

विराट कोहली नंबर 1

- गौतम गंभीर से आगे रोहित शर्मा; आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-6 कप्तान

नई दिल्ली। आईपीएल में कई बेहतरीन कप्तान हुए हैं जिन्होंने अपनी कप्तानी में अपनी–अपनी टीमों को चैंपियन बनाने का गौरव हासिल किया है। एमएस धोनी हों या फिर रोहित शर्मा इन्होंने ने सीएसके और मुंबई इंडियंस को 5–5 बार चैंपियन बनाया था, लेकिन विराट कोहली आरसीबी को कभी चैंपियन नहीं बना पाए। वहीं गौतम गंभीर ने अपनी कप्तानी में केकेआर को 2 बार विनर बनाया था। अब इस लीग में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की बात की जाए तो इसमें ये सभी दिग्गज शामिल हैं, लेकिन कोहली सबसे ऊपर हैं।

बतौर कप्तान कोहली ने आईपीएल में बनाए हैं सबसे ज्यादा रन– विराट कोहली ने लंबे अरसे तक आरसीबी की कप्तानी की थी। वो बेशक एक कप्तान के तौर पर सफल नहीं हो पाए, लेकिन बतौर बल्लेबाज वो खूब सफल रहे और उन्होंने इस टीम के लिए बतौर कप्तान 4994 रन बनाए थे। कोहली ने ये रन 133 की स्ट्राइक रेट से बनाए थे। वो कप्तान के तौर पर आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी है।

फ्रेंच ओपन

नोवाक जोकोविच ने दूसरे राउंड में जगह बनाई

इस साल फ्रेंच ओपन में नोवाक जोकोविच ने लगातार 82वीं बार किसी ग्रैंडस्लैम के मेनड्रॉ में जगह बनाई।

कड़े मुकाबले में पेरीकार्ड को हराया

पेरिस। नोवाक जोकोविच ने रोलैंड गैरोस (फ्रेंच ओपन) का आगाज जीत के साथ किया है। जोकोविच ने कड़े मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए फ्रेंच के खिलाड़ी जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड को 5-7, 7-5, 6-1, 6-4 से हराकर पेरिस में दूसरे राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली। इस साल फ्रेंच ओपन में नोवाक जोकोविच ने लगातार 82वीं बार किसी ग्रैंड स्लैम के मेन ड्रॉ में जगह बनाई। इसके साथ ही उन्होंने रोजर फेडरर और फेलिसियानो लोपेज के साथ साझा किया गया रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अब जोकोविच का ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के पहले मुकाबलों में रिकॉर्ड 80 जीत और सिर्फ 2 हार का हो गया है। खास बात यह है कि उन्होंने 2006 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद से किसी भी ग्रैंड स्लैम का पहला मैच नहीं हारा है। टेरे बैट्यू पर शुरुआती मुकाबलों में उनका रिकॉर्ड अब 22-0 है, जो ओपन एरा में बिना हारे किसी भी खिलाड़ी की रोलैंड-गैरोस के पहले राउंड में सबसे ज्यादा जीत है। पेरिस में फ्रेंच खिलाड़ियों के खिलाफ उनका अब तक का रिकॉर्ड 13-0 है। अपने करियर की पहली हेड-टू-हेड मीटिंग में बड़ी सर्व करने वाले फ्रेंच खिलाड़ी के खिलाफ एक सेट से पीछे होने के बाद जोकोविच काफी निराश नजर आ रहे थे।

पहले सेट में नोवाक जोकोविच को पेरीकार्ड की शानदार सर्विस के सामने एक भी ब्रेक पॉइंट नहीं मिला। फिर 5-5 पर फ्रेंच खिलाड़ी ने जोकोविच की सर्विस तोड़ दी और सेट जीत लिया। इसके साथ ही वह 14 साल में पेरिस में जोकोविच से एक सेट जीतने वाले पहले फ्रेंच खिलाड़ी बने। फ्रेंच ओपन की रिपोर्ट के मुताबिक, दूसरे सेट में लगभग 12 पूरे गेम के बाद जोकोविच जीरो-फॉर-नौ थे।

पेरीकार्ड ने 5-6 पर एस से तीन सेट पॉइंट बचाने के बाद वह चौथा सेट नहीं जीत सके। जोकोविच ने उस अहम पॉइंट पर सर्व रिटर्न किया, और 17-शॉट की रैली जीतकर आखिरकार स्कोरबोर्ड बराबर कर दिया। उन्होंने एक हल्के ड्रॉप शॉट से पॉइंट बनाया, और पेरीकार्ड इसे लेने के लिए अच्छी तरह से आगे बढ़े, लेकिन उनका फोरहैंड पासिंग शॉट थोड़ा बाहर चला गया और वह गेम हार गए। इसके बाद जोकोविच ने पेरीकार्ड को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया और 2 घंटे 51 मिनट तक चले मुकाबले में जीत दर्ज करते हुए दूसरे राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली।

सुआरेज की हैट्रिक

इंटर मियामी ने फिलाडेल्फिया को 6-4 से हराया

मियामी। इंटर मियामी सीएफ ने एमएलएस रेगुलर सीजन एक्शन में फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाफ 6-4 से रोमांचक दर्ज की। लुइस सुआरेज की हैट्रिक, जर्मन बर्टेराम के दो गोल और मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल के एक गोल ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ब्रेक से पहले मियामी की इस रेगुलर सीजन में चौथी जीत दिलाई। मैच की शुरुआत फिलाडेल्फिया ने शानदार अंदाज में की और चौथे मिनट में ही पहला गोल किया। इसके बाद 10वें मिनट में फिलाडेल्फिया ने दूसरा गोल दागते हुए मैच में अपनी बढ़त को 2-0 कर दिया। इंटर मियामी ने 13वें मिनट में पहला गोल किया। बर्टेराम ने बॉक्स के अंदर मेसी के सटीक असिस्ट का फायदा उठाते हुए पास से गोल किया। इंटर मियामी की रिपोर्ट के अनुसार, यह गोल बर्टेराम का इस रेगुलर सीजन में छठा गोल था, जबकि मेसी का यह सातवां असिस्ट रहा। मेहमान टीम ने 20वें मिनट में एक और गोल दागा और स्कोरलाइन 1-3 कर दी। हालांकि, सुआरेज ने इंटर मियामी की वापसी कराई और मैच के 29वें मिनट में शानदार वॉली लगाकर गोल किया। मियामी ने 42वें मिनट में बराबरी का गोल किया, जब बर्टेराम ने इस रेगुलर सीजन में अपना सातवां और इंटर मियामी के लिए अपना पहला गोल किया। मेसी ने बॉक्स के ऊपर से बर्टेराम को शानदार पास दिया, जिसके बाद मैक्सिको के खिलाड़ी ने पहली बार दाहिने पैर से फिनिश करते हुए बॉल को नेट में डाल दिया।

इसके बाद मेजबान टीम ने 44वें मिनट में ब्रेक से ठीक पहले मैच में पहली बार बढ़त हासिल की। सुआरेज ने डी पॉल के शुरुआती प्रयास के बाद पास से गोल किया। हालांकि, फिलाडेल्फिया ने स्टॉपेज टाइम के आठवें मिनट में चौथा गोल करते हुए स्कोर को 4-4 से बराबर कर दिया। इंटर मियामी ने 81वें मिनट में फिर से बढ़त हासिल की। बर्टेराम का पहला शॉट बॉक्स के अंदर ही रोक दिया गया। इसके बाद उन्होंने गोल के सामने सुआरेज को पास दिया और सुआरेज ने बिना कोई गलती किए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया और अपनी हैट्रिक पूरी की।

सुआरेज ने अब तक इस रेगुलर सीजन में 6 गोल किए हैं, जबकि बर्टेराम ने 4 असिस्ट दिए हैं। मेजबान टीम के लिए छठा गोल डी पॉल ने किया और टीम की जीत पर मुहर लगा दी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए ब्रेक से ठीक पहले इंटर मियामी ने लगातार चौथी जीत हासिल करते हुए 6-4 की स्कोरलाइन मैच के अंत तक बनाए रखी।

IPL में 2011 से पहले नहीं होता था प्लेऑफ

हले तीन सत्र में हुए थे सेमीफाइनल

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 अपने अंतिम पड़ाव पर है। मंगलवार (26 मई) से रविवार (31 मई) के बीच प्लेऑफ होगा। फाइनल से पहले तीन मैच क्वालिफायर-1, एलिमिनेटर और क्वालिफायर-2 होगा। हालांकि, आईपीएल के शुरुआती तीन सीजन 2008, 2009 और 2010 में प्लेऑफ नहीं सेमीफाइनल हुए थे। इंटरनेशनल क्रिकेट टूर्नामेंट में आज भी सेमीफाइनल से ही फाइनल खेलने वाली दो टीमें तय होते हैं, फिर आईपीएल में ये तीन मैचों वाला प्लेऑफ क्यों होता है? इस सवाल का जवाब काफी दिलचस्प है। आईपीएल में प्लेऑफ होने का सबसे बड़ा कारण निरंतरता को व्यर्थ न जाने देना है। दुनिया की सबसे लोकप्रिय क्रिकेट टूर्नामेंट में शुरुआत से ही 50 से ज्यादा मैच होते हैं। ऐसे में लीग स्टेज में 18-20 अंक जुटाने वाली टीम का केवल एक खराब दिन के कारण बाहर होना नाइंसाफी की तरह महसूस होता है। आईपीएल के शुरुआत तीन सालों में कुछ ऐसा ही देखने को मिला।

व्यापार

यूपीएससी नहीं निकला, पहला बिजनेस भी फेल, फिर झाड़ू-पोछे से चमकी किस्मत

नई दिल्ली, एजेंसी। शाम कुमावत मुंबई के रहने वाले हैं। उन्होंने जिंदगी में कई फेलियर देखे। लेकिन, हार नहीं मानी। आज वह एक सफल स्टार्टअप के मालिक हैं। यह हाउसकीपिंग और होम क्लीनिंग की सर्विसेज देता है। इसका नाम 'साफसफाईवाला' है। यूपीएससी न निकलने और पहला बिजनेस फेल होने के बाद उन्होंने 2022 में इसकी नींव रखी थी। इसके पीछे आइडिया था- घर की साफ-सफाई की चिंता को खत्म करना। आज यह स्टार्टअप सालाना 1.5 करोड़ रुपये की कमाई कर रहा है। आइए, यहां शाम कुमावत की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

लगातार मिली असफलता

मुंबई के रहने वाले शाम कुमावत ने साल 2017 में पॉलिटिकल साइंस से ग्रेजुएशन किया। फिर यूपीएससी की तैयारी के लिए पुणे चले गए। पढ़ाई के दौरान खर्च निकालने के लिए उन्होंने होटलों में हाउसकीपिंग का पार्ट-टाइम काम किया। 'अर्बन कंपनी' में सर्विस पार्टनर के तौर पर भी जुड़े। यहीं से उनका रुझान क्लीनिंग इंडस्ट्री की तरफ बढ़ा। यूपीएससी में पहले प्रयास के बाद उन्होंने बैकअप प्लान के रूप में छोटी क्लीनिंग एजेंसी शुरू की। लेकिन,

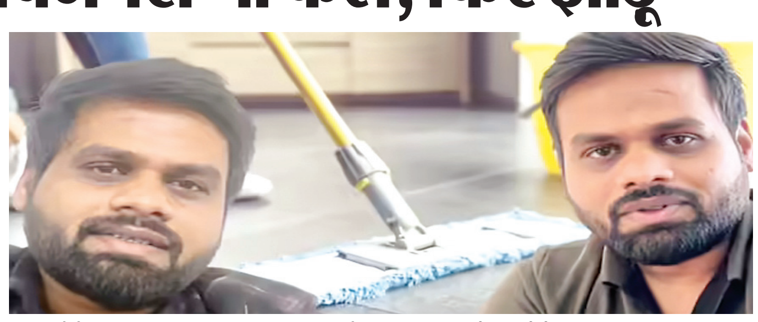

तभी कोरोना महामारी आ गई। इस वजह से उनका काम बंद हो गया। उन्हें 3 लाख रुपये का नुकसान हुआ। वह कर्ज में डूब गए।

ऐसे की नई शुरुआत– इन नाकामियों से शाम ने हिम्मत नहीं हारी। 2022 में मुंबई लौटकर नए सिरे से शुरुआत की। अर्बन कंपनी के अपने अनुभव से उन्होंने एक चीज समझ ली थी। इस फील्ड में सबसे बड़ी समस्या नो-शो (काम पर न आना), अधूरी सफाई और स्टैंडर्ड ट्रेनिंग की कमी है। कारण है कि ज्यादातर प्लेटफॉर्म्स प्लंबिंग, पेंटिंग जैसे कई तरह के काम एक साथ करते हैं।

भारतीय शेयर बाजार को लगा बड़ा झटका, ताइवान ने छीना दुनिया के 5वें सबसे बड़े मार्केट का ताज

नई दिल्ली, एजेंसी। ताइवान के शेयर बाजार ने कुल वैल्यूएशन (मार्केट कैप) के मामले में भारत को पीछे छोड़ दिया है। ताइवान की इस रफ्तार के पीछे दुनिया की सबसे बड़ी चिपमेकर कंपनी ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के शेयरों में आई तूफानी तेजी है। ब्लूमबर्ग के डेटा के अनुसार, ताइवान का मार्केट कैपिटलाइजेशन बढ़कर 4.95 ट्रिलियन डॉलर (करीब 411 लाख करोड़ रुपये) पर पहुंच गया है। वहीं दूसरी ओर, भारतीय शेयर बाजार का कुल मूल्यांकन गिरकर 4.92 ट्रिलियन डॉलर (सोमवार को बाजार बंद होने तक) रह गया है। इस उलटफेर के साथ ही ताइवान अब अमेरिका, चीन, जापान और हांगकांग के बाद दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा शेयर बाजार बन गया है।

ताइवान के शेयर बाजार को वैश्विक रैंकिंग में ऊपर ले जाने का पूरा श्रेय चिपमेकर कंपनी टीएसएमसी को जाता है। ताइवान के बेंचमार्क इंडेक्स में अकेले की हिस्सेदारी लगभग 42 प्रतिशत है, जो बाजार में इसके भारी दबदबा को दर्शाती है।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती वैश्विक मांग के कारण इस साल कंपनी के शेयरों में 49 प्रतिशत की भारी तेजी आई है। एआई चिप्स (सेमीकंडक्टर्स) के मामले में कंपनी ग्लोबल मार्केट में एकतरफा राज कर रही है। ताइवान के मार्केट कैप में यह उछाल टेक हार्डवेयर पर उसकी भारी निर्भरता को दिखाता है, जो इस समय एआई इन्वेस्टमेंट साइकिल के केंद्र में है। जिन बाजारों में टेक हार्डवेयर कंपनियों की कमी है, वे ताइवान और कोरिया जैसे बाजारों के सामने पीछे छूट रहे हैं। तमाम घरेलू मजबूती के बावजूद इस साल भारतीय शेयर बाजार दबाव में रहा है।

चांदी 3800 रुपये से ज्यादा गिरी, सोना भी लुढ़का

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी की कीमतों में मंगलवार को गिरावट देखी गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मंगलवार सुबह सोने की कीमत में प्रति 10 ग्राम 800 रुपये से ज्यादा की गिरावट आई। वहीं चांदी का दाम प्रति किलो 3800 रुपये से ज्यादा लुढ़क गया। गुडरिटर्न्स के मुताबिक भी सोने की कीमत में गिरावट आई। मंगलवार को अमेरिका की ओर से ईरान हमले के बाद कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई। इससे महंगाई का डर पैदा हो गया। इससे चलते सोने और चांदी में गिरावट देखी गई।

सुबह 10 बजे एमसीएक्स पर मई डिलीवरी वाले सोने की कीमत प्रति 10 ग्राम 850 रुपये की गिरावट के साथ 1,58,231 रुपये पर थी। वहीं जून डिलीवरी वाली चांदी प्रति किलो 3,864 रुपये गिरकर 2,72,852 रुपये पर कारोबार कर रही थी। वहीं दूसरी ओर गुडरिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट सोने का भाव प्रति 10 ग्राम 490 रुपये गिरकर 1,58,890 रुपये रह गया। वहीं चांदी की कीमत 2.85 लाख रुपये प्रति किलो पर बनी हुई है।

क्यों आई गिरावट

1. ईरान पर अमेरिकी हमले और कच्चे तेल में तेजी: अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने दक्षिणी ईरान में मिसाइल लॉन्च साइटों और संदिग्ध नावों को निशाना बनाकर हमले किए हैं। इस तनाव के बाद कच्चे तेल की कीमतें

2 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई।

2. महंगाई और ब्याज दरों का कनेक्शन: कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें सीधे तौर पर महंगाई को बढ़ावा देती हैं। जब महंगाई बढ़ती है, तो केंद्रीय बैंक (जैसे अमेरिकी फेडरल रिजर्व) ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचा रखते हैं। हालांकि सोने को महंगाई के खिलाफ एक सुरक्षित निवेश माना जाता है। लेकिन ऊंची ब्याज दरों के कारण बिना ब्याज देने वाले सोने को रखने की लागत बढ़ जाती है, जिससे इसकी मांग और कीमतों पर दबाव बनता है। सोमवार को सोने की कीमतों में अच्छी-खासी तेजी देखने को मिली, जिसकी मुख्य वजह कमजोर अमेरिकी डॉलर और अमेरिका-ईरान के बीच संभावित शांति समझौते को लेकर बना सकारात्मक माहौल था। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के आंकड़ों के मुताबिक, सोमवार शाम के भाव में सुबह के भाव के मुकाबले तेजी आई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में मंगलवार को हाजिर सोने की कीमत 0.7 प्रतिशत गिरकर 4537.54 डॉलर प्रति औंस हो गई, जबकि जून डिलीवरी के लिए अमेरिकी सोने के वायदा भाव में 0.3 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 4538.50 डॉलर हो गया।

सर्राफा बाजार में क्या भाव

राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने का भाव शाम को अपडेट होता है। इससे पहले सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में अलग–अलग रुझान देखने को मिला था। डॉलर के कमजोर होने और अमेरिका–ईरान के बीच संभावित शांति समझौते को लेकर बनी उम्मीदों से सोने की कीमतों में तेजी आई थी। वहीं, चांदी के दाम बिना किसी बदलाव के रहे। सोमवार को सर्राफा बाजार बंद होने तक सोना 1.65 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)